डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त : DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026—28

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

सांध्य दैनिक
यूनिक समय

RNI-UPHIN/2023/85053

वर्ष-3 | अंक-352 | मथुरा, रविवार, 15 फरवरी 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

INS ACCREDITED
यूनिकॉम
unicomadvertising.com

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

श्रीकृष्ण–जन्मभूमि से निकली भोले की बारात, ढोल-नगाड़ों और भजनों की धुन पर थिरके श्रद्धालु

सज रहे भोले बाबा निराले दूल्हे में

महाशिवरात्रि पर श्रीकृष्ण जन्म स्थान से निकाली बारात में बने दूल्हा भगवान शिव को देखने के लिए उमड़ी भीड़।

शिव बारात में नाचते कूदते शिवगण।

भैरव रथ से लेकर मां काली व त्रिदेव की झांकियों ने मोहा मन

शिवगण बने आकर्षण का केंद्र, छतों से हुई पुष्पवर्षा

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। महाशिवरात्रि पर रविवार को श्रीकृष्ण जन्मस्थान से भोले बाबा की अनूठी व भव्य बारात नगर में आकर्षक झांकियों के साथ निकाली गयी। ढोल–नगाड़े की मधुर ध्वनि के साथ सबसे पहले भगवान भैरों रथ पर विराजमान थे। माता काली के दर्शन, सखी नृत्य की झांकियां थी। आठ काली दर्शन हो रहे थे। डीजे पर मधुर भजनों की ध्वनि पर झांकी व रावण द्वारा शिवजी पूजन की करते कलाकार चल रहे थे। भोले बाबा के भजनों के मध्य त्रिशूल धारण कर माँ चण्डी देवी के दर्शन भी आकर्षण का केन्द्र रहे। नृत्य करती सखियाँ, अघोरी स्वरूप के नृत्य भक्तों को आनन्दित करने वाले थे। आगरा से आयी भगवान शिव की झांकियाँ,

भगवान शिव की बारात में नृत्य करते चल रहे संत।

फिरोजाबाद के कलाकारों की वीरान आत्माएं नृत्य पार्टी एवं बैण्ड की ध्वनि के मध्य विराजमान हो भगवान ब्रह्मा व भगवान विष्णु, शिव बारात में उपस्थित होकर त्रिदेव की बारात को संपूर्ण कर रहे थे। आज की बारात के मुख्य आकर्षण नन्दी पर विराजमान औघड़दानी भगवान शिव के विशेष स्वरूप, भूत–प्रेत, पिशाच, डाकिनी, शाकिनी आदि भगवान शिव के स्वरूप में और अदभुत स्वरूप प्रदान कर रहे थे। भगवान शिव के साथ नृत्य करते हुऐ शिवगण भक्तों के आकर्षण का केन्द्र थे। ढोल की ध्वनि जो सूचक थी भगवान शिव की बारात आगमन की, उसे सुनकर संपूर्ण यात्रा मार्ग पर लोगों की कतारें लग गयीं। घरों की छतों एवं झरोखों से भी लोग भोले की इस अनूठी बारात को निहार कर उत्साहित हो रहे थे। धन्य मान रहे थे। बच्चे, युवा बारात के साथ भक्ति से ओत–प्रोत एवं शिवगणों की ताल में ताल मिलाकर नृत्य करते हुये चल रहे थे। बुजुर्ग एवं महिलायें बड़े ही कौतूहल एवं श्रद्धाभाव से इस बारात को निहार रहे थे।

सभी के मन में खुशी थी। जहाँ से भगवान शिव की बारात निकली वहीं से पुष्पवर्षा हो रही थी। ऐसा प्रतीत हो रहा था कि इन्द्रदेव मेघ बूंदों के स्थान पर पुष्पवर्षा कर रहे हों। जन्मभूमि पर भगवान शिव की बारात प्रारम्भ से पहले औघड़दानी भगवान शिव की आरती श्रीकृष्ण–जन्मस्थान सेवा–संस्थान के सचिव कपिल शर्मा, प्रबंध समिति के सदस्य गोपेश्वरनाथ चतुर्वेदी एवं सदस्य रोशन लाल ने की।

भगवान शिव की बारात में थिरकते चल रहे नारदजी।

भगवान शिव की बारात के आगे चल रहे श्रीकृष्ण जन्म भूमि के सचिव कपिल शर्मा, सदस्य गोपेश्वर नाथ चतुर्वेदी एवं रोशन लाल आदि।

जी रामजी.. जॉब कार्डधारकों की कराई जाएगी ई–केवाईसी

मनरेगा में फर्जीवाड़ा रोकने के लिए नई पहल

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। शासन के निर्देश पर जी रामजी (मनरेगा) के कार्यों में फर्जी फोटो अपलोड कर मजदूरी हड़पने के मामलों पर अब जल्द ही शिकंजा कसने जा रहा है। जिले में सक्रिय जॉब कार्डधारकों की ई–केवाईसी (इलेक्ट्रॉनिक केवाईसी) कराई जा रही है। नई व्यवस्था के बाद एक ही फोटो दोबारा अपलोड करने पर एप उसे स्वयं की निरस्त कर देगा। इससे मनरेगा में होने वाला फर्जीवाड़ा रुकेगा। जानकारी के

अनुसार ई–केवाईसी पूरी होने के बाद कार्यस्थल पर श्रमिकों की फोटो विशेष मोबाइल एप के माध्यम से ही अपलोड की जाएगी। यदि कोई व्यक्ति एक ही फोटो को दोबारा अपलोड करने या गलत फोटो डालने की कोशिश करेगा तो एप उसे स्वयं निरस्त कर देगा। इस नई व्यवस्था से मनरेगा में वर्षों से चली आ रही फर्जीवाड़े की समस्या पर प्रभावी रोक लगने की उम्मीद है।

ई–केवाईसी प्रणाली के तहत अब कार्यस्थल पर ली गई फोटो का मिलान आधार कार्ड में दर्ज फोटो से किया जाएगा। एप में ऐसी तकनीक विकसित की गई है कि वह फोटो के स्थान (लोकेशन) की भी जांच कार्यस्थल पर श्रमिकों की फोटो एप के माध्यम से ही अपलोड की जाएगी। शासन की मंशा है कि मनरेगा पूरी तरह पारदर्शी और तकनीक आधारित हो। ई–केवाईसी के बाद एप पर फोटो का मिलान आधार और लोकेशन से होगा। यदि किसी तरह की गड़बड़ी पाई जाती है तो फोटो स्वयं ही खारिज हो जाएगी और संबंधित कार्य की मजदूरी जारी नहीं हो सकेगी।

भूतेश्वर मंदिर से निकलती शिव बारात

मेरे तन में शिव, मेरे मन में शिव, रोम–रोम में समाया

महाशिवरात्रि पर प्राचीन शिवालयों में भीड़ उमड़ी

वृंदावन स्थित गोपेश्वर महादेव मंदिर में जलाभिषेक करते श्रद्धालु।

महाशिवरात्रि पर भूतेश्वर महादेव मंदिर पर जलाभिषेक करते श्रद्धालु।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। महाशिवरात्रि पर कान्हा की नगरी में स्थित प्राचीन बाबा भोलेनाथ के मंदिरों में पहुंच रहे श्रद्धालुओं का भाव यह नजर आ रहा था.. मेरे तन में शिव, मेरे मन में शिव, रोम–रोम में समाया तेरा नाम रे..हाय रे मेरी सांसों में समाया तेरा नाम रे..। आधी रात के बाद से ही शिव भक्तों का शहर के रंगेश्वर महादेव मंदिर, भूतेश्वर महादेव मंदिर, गत्तेश्वर महादेव मंदिर समेत अन्य छोटे बड़े शिवालयों में पहुंचना शुरू हो गया। महावन स्थित चिंताहरण महादेव मंदिर में तो आधी रात से ही श्रद्धालु पहुंच गए। डीएम और एसएसपी ने भगवान शिव को जलाभिषेक किया। उधर गंगा जल लेकर आ रहे कावरियां भी मंदिरों में पहुंचते नजर आ रहे थे। अभी हाल ही में जिन परिवारों में बेटे की शादी हुई या फिर नवजात बेटे ने जन्म लिया। उन परिवारों ने भगवान शिव को जेहर चढ़ाई। बैंड बाजों की धुनों पर महिलाएं थिरकती नजर आई। उधर, वृन्दावन में 'हर–हर महादेव' की गूंज सुनाई दी। यहां गंगाजल लेकर पहुंचे कांवरियों ने पहले गोपीश्वर महादेव मंदिर में गंगाजल अभिषेक किया। फिर मथुरा की ओर प्रस्थान किया। गोपेश्वर मंदिर में दर्शनार्थियों की कतारें थमने का नाम नहीं ले रही थीं। शिवलिंग पर जलाभिषेक के लिए भक्तों में एक दूसरे के प्रति होड़ सी लगी हुई थी। नव विवाहिता और पुत्र प्राप्ति करने वाली महिलाओं ने भी जेहर चढ़ाईं।

जेहर लेकर जाती महिलाओं के आगे थिरकती हुई चल रही महिलाएं।

फरह कस्बा में महाशिवरात्रि पर सजे वनखंडी महादेव।

बनखंडेश्वर महादेव मंदिर में जलाभिषेक करने वालों की भीड़ लगी रही।

थाना प्रभारी संजय कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में गोपीश्वर मंदिर की ओर आने वाले मार्ग को वन–वे व्यवस्था में बदला गया और भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया। श्रद्धालुओं को सुदामा कुटी की ओर से प्रवेश दिया गया। आपराधिक किस्म के लोगों पर निगाह बनाये रखने के लिए कुछ पुलिसकर्मी साधु भेष में ही मन्दिर के इर्द गिर्द लगाये गये। पुलिस द्वारा विशेष सावधानी बरतते हुए कांवरियों द्वारा कांच की शीशियों में लाया गया जल सुदामा कुटी पर ही प्लास्टिक की शीशियों में स्थानांतरित कराया गया, ताकि अत्यधिक भीड़ के बीच कांच टूटने से किसी भी श्रद्धालु के घायल होने की आशंका न रहे। मथुरा वृन्दावन नगर निगम के अपर नगर आयुक्त सीपी पाठक के निर्देशन में मंदिर परिसर और आसपास सफाई व्यवस्था भी बेहतर देखने को मिली, जिससे श्रद्धालुओं को सुगम दर्शन का अनुभव मिला।

शिव मंदिर में जेहर लेकर जाती महिलाएं।

फरह में महाशिवरात्रि पर उमड़ा आस्था का सैलाब

यूनिक समय, फरह। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर फरह कस्बा और आसपास का क्षेत्र भगवान भोलेनाथ की भक्ति में सराबोर नजर आया। सुबह से ही मंदिरों में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लग गईं। भक्तों ने विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर महादेव का आशीर्वाद मांगा। घंटेघड़ियालों की गूंज से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। कांवड़ियों ने गंगाजल से अभिषेक किया, जबकि महिलाओं ने मंदिरों के बाहर भक्ति गीतों पर नृत्य कर श्रद्धा व्यक्त की। कस्बे के बनखंडी महादेव और थाने वाले मंदिर को आकर्षक फूल बंगले और छप्पन भोग से सजाया गया। शिव बारात मुख्य बाजार से होकर निकली, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। मंदिरों में शिव आराधना और सांस्कृतिक कार्यक्रम देर रात तक चलते रहे। महाशिवरात्रि पर पूजा में प्रयुक्त बेर की मांग भी खूब रही। कहीं 60 तो कहीं 100 रुपये किलो तक बेर बिके, लेकिन आस्था के आगे महंगाई फीकी पड़ गई। श्रद्धालुओं ने जमकर खरीदारी कर महादेव को अर्पित किया।

तापमान / मौसम

28 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

14 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना–चांदी भाव

सोना

24 कैरेट 1,58,000

22 कैरेट 1,45,360

(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी

2,60,000 प्रति किलो

आपातकालीन सेवाएं

112	-आपातकालीन सेवा
1962	- रेलवे हेल्पलाइन
100	- पुलिस
108	- एंबुलेंस (स्वास्थ्य सेवा)
102	- एंबुलेंस (मातृ एवं शिशु सेवा)
101	- अग्निशमन (फायर ब्रिगेड)
1090	- महिला हेल्पलाइन
1091	- महिला पुलिस सहायता
1098	- चाइल्ड हेल्पलाइन
104	- स्वास्थ्य सलाह सेवा
1076	- मुख्यमंत्री हेल्पलाइन
1033	- राष्ट्रीय राजमार्ग आपात सेवा
1073	- सड़क दुर्घटना आपात सहायता

बिजली शिकायत

1912– (बिजली कटौती, फॉल्ट, लो वोल्टेज, बिल से जुड़ी शिकायतें)

वाट्सऐप: 8010957826

नगर निगम

1533 – नगर निगम संपूर्ण शिकायत हेल्पलाइन

14420 — सीवर सफाई के लिए

18003094747– टोल–फ्री हेल्पलाइन (कॉमन सिटी शिकायत)

0565–2503632 - नगर निगम कार्यालय फोन (नियमित शिकायत)

महाशिवरात्रि पर भूतेश्वर महादेव बाबा का सजा बंगला।

पुलिस अधिकारियों ने मंदिरों का निरीक्षण किया

महाशिव रात्रि पर भूतेश्वर महादेव मंदिर में जलाभिषेक करते डीएम सीपी सिंह एवं एसएसपी श्लोक कुमार।

एसपी सिटी राजवीर सिंह एवं एसपी ट्रैफिक मनोज कुमार मंदिर का निरीक्षण करते हुए।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। महाशिवरात्रि पर्व के दृष्टिगत डीएम सीपी सिंह एवं एसएसपी श्लोक कुमार ने मथुरा स्थित भूतेश्वर महादेव मंदिर तथा महावन क्षेत्र स्थित चिंताहरण महादेव मंदिर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मंदिर परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में साफ–सफाई, बैरिकेडिंग, पेयजल, पार्किंग तथा यातायात प्रबंधन की समीक्षा की। अधिकारियों ने संबंधित को निर्देशित किया कि शिवरात्रि पर आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो तथा सुरक्षा व्यवस्था सतर्क, सुदृढ़ और व्यवस्थित रहे। ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सतर्क रहकर अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने, संदिग्ध व्यक्तियों/वस्तुओं पर निगरानी रखने तथा भीड़ प्रबंधन को सुचारु रूप से संचालित करने के निर्देश दिए। एसपी नगर राजवीर सिंह व एसपी ट्रैफिक मनोज कुमार ने भूतेश्वर महादेव मंदिर, गोपेश्वर महादेव मंदिर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मंदिर परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में साफ–सफाई, बैरिकेडिंग, पेयजल, पार्किंग तथा यातायात प्रबंधन की समीक्षा की।

जेसीआई मथुरा ग्रेटर ने शिवरात्रि पर वृद्धाश्रम में सेवा कार्य किए

वृद्धाश्रम में उपहार भेंट करते पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर जेसी आई मथुरा ग्रेटर द्वारा आवासीय वृद्धाश्रम, डेहरुआ मोड़, लक्ष्मी नगर में सेवा कार्यों का आयोजन किया गया। संस्था के सदस्यों ने वृद्धाश्रम में रहने वाले बुजुर्ग महिला एवं पुरुषों के लिए कक्षों में नए पर्दे लगवाए तथा उन्हें उपयोगी उपहार भेंट किए। शिवरात्रि के पावन पर्व पर सभी वृद्धजनों के लिए विशेष भोजन प्रसादी की भी व्यवस्था की गई। कार्यक्रम में डीसीए मथुरा ग्रेटर के अध्यक्ष मनोज अग्रवाल (सर्राफ), यश गुप्ता, गौरव गर्ग (घी वाले), वरुण गर्ग, नेहा गर्ग, यति गर्ग एवं वाणी अग्रवाल उपस्थित रहे। कार्यक्रम के संयोजक यश-वाणी अग्रवाल एवं गौरव-यति गर्ग ने आयोजन की व्यवस्था संभाली। संस्था पदाधिकारियों ने कहा कि ऐसे सेवा कार्य समाज के प्रति जिम्मेदारी का निर्वहन करने का माध्यम हैं।

रिश्तों का खौफनाक अंत : साली ने ठुकराया रिश्ता

देवर ने भाभी की हत्या कर खुद भी आत्महत्या की कोशिश की

घटना स्थल पर पहुंचे लोग।

यूनिक समय, मथुरा। नौहझील थाना क्षेत्र में एक सनसनीखेज घटना सामने आई है, जहां शादी से इनकार की रंजिश में एक युवक ने अपनी भाभी की हत्या कर दी और बाद में खुदकुशी की कोशिश की। घटना रविवार दोपहर ग्राम कटैलिया बागई में हुई। जानकारी के मुताबिक ज्वाला प्रसाद के दो बेटे कालू (25) और दीपक (23) हैं। चार महीने पहले कालू की शादी करिश्मा से सामूहिक विवाह समारोह में हुई थी। उसी समारोह में करिश्मा की बहन से दीपक की शादी की बात चली थी, लेकिन लड़की ने रिश्ता ठुकरा दिया। परिजनों के अनुसार, इसी बात को लेकर दीपक मन में रंजिश रखे हुए था। रविवार को कालू और उसके पिता खेत पर गए थे। घर में दीपक और करिश्मा मौजूद थे। इसी दौरान दोनों के बीच कहासुनी हुई, जो हिंसक रूप ले बैठी। आरोप है कि दीपक ने धारदार ब्लेड से करिश्मा का गला काट दिया। इसके बाद उसने खुद भी गला काटकर आत्महत्या का प्रयास किया। कुछ देर बाद परिजन लौटे तो दोनों को खून से लथपथ पाया। उन्हें तुरंत अस्पताल ले

गंभीर हालात में आगरा रेफर किया

जाया गया, जहां इलाज के दौरान करिश्मा की मौत हो गई। दीपक की हालत गंभीर बनी हुई है और उसका इलाज जारी है। एसएसपी श्लोक कुमार ने बताया कि अस्पताल से सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची। जांच के दौरान घर से ब्लेड बरामद हुआ, जिस पर खून के निशान मिटाने की कोशिश की गई थी। गद्दों को धोकर छत पर सुखाया जा रहा था, जिससे सबूत नष्ट करने की आशंका जताई जा रही है। मृतका के मायके वालों को सूचना दे दी गई है। पुलिस पूरे मामले की गहन जांच कर रही है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

युवक की लाठी डंडों से पीट-पीट कर हत्या

संवाददाता

यूनिक समय, राया (मथुरा)। थाना क्षेत्र अंतर्गत गांव नगला चिकन में पुरानी रंजिश को लेकर एक युवक की लाठी डंडों से पीटकर हत्या कर दी गई। जानकारी के अनुसार गांव चिकन निवासी राजवीर और छीतरमल के बीच पुरानी रंजिश चली आ रही है। शनिवार की सायं खेलने के दौरान बच्चों में विवाद होने पर मारपीट हो गई। इसकी तहरीर दोनों पक्षो ने थाना राया में दी। आरोप है कि रात्रि के दौरान रोहित (17) पुत्र छीतरमल को सड़क किनारे घर के बाहर राजवीर तथा वीरपाल आदि लोगों ने एक राय होकर रोहित पर लाठी डंडों से हमला कर दिया और अधमरा छोड़ कर फरार हो गये। घटना की जानकारी होते ही थाना प्रभारी कर्मवीर सिंह पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंच गए।और घायल को जिला अस्पताल भिजवाया। उपचार के दौरान रोहित की मौत हो गयी। इस मामले में पुलिस ने तीन लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है।

मृतक रोहित (फोटो फाइल)

सोनई के पास बाइक सवार ने कावड़ियों को रौंदा, तीन घायल

भरतपुर के श्रद्धालुओं का एक जत्था सोरों गंगा जी से जल लेकर आ रहा था

संवाददाता

यूनिक समय, राया (मथुरा)। थाना राया क्षेत्र के अंतर्गत सोनई रेलवे स्टेशन के समीप अनियंत्रित बाइक सवार ने गंगाघाट से कावंड़ लेकर आ रहे श्रद्धालुओं को रौंद दिया। इस दौरान तीन कावड़ियां बुरी तरह घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल भिजवाया।

जानकारी के अनुसार महाशिवरात्रि पर भरतपुर (राजस्थान) से श्रद्धालुओं का एक जत्था सोरों गंगा जी से जल लेकर आ रहा था। इसमें आधा दर्जन से अधिक श्रद्धालु शामिल थे। शनिवार की सायं सोनई रेलवे स्टेशन के समीप कावड़ लेकर आ रहे श्रद्धालुओं में पीछे से आ रही अनियंत्रित बाइक सवारों ने कावड़ियों को रौंद दिया। बाइक सवार युवक भी कावड़िया बताया जा रहा है। इस हादसे में दो पैदल चल रहे श्रद्धालु और बाइक सवार भी घायल हो गया। घटना की जानकारी होते ही बिचपुरी चौकी प्रभारी वीरेंद्र कुमार ने घायलों को अस्पताल भिजवाया।

अवैध संबंधों का शक और सुसाइड

पति का आरोप दूसरे लड़के से बात करती थी

संवाददाता

यूनिक समय, राधाकुंड (मथुरा)। पुलिस महाशिवरात्रि पर एक परिवार में खुशियां नहीं बल्कि सन्नाटा और मातम है। दरअसल हाथरस की रहने वाली मुस्कान, जिसकी शादी 2 साल पहले रवि के साथ हुई थी, आज उसका शव फंदे पर लटका मिला। पति रवि का आरोप है कि मुस्कान किसी अन्य युवक से फोन पर बात और चैटिंग करती थी, जिसे लेकर उसने पत्नी को टोका और समझाया था। रवि के मुताबिक, उसने दरवाजा तोड़कर मुस्कान के शव को नीचे उतारा। लेकिन घटना के बाद जो हुआ, उसने पुलिस के कान खड़े कर दिए। आरोप है कि ससुराल पक्ष बिना पुलिस को सूचना दिए स्थानीय लोगों के कहने पर शव का अंतिम संस्कार करने की फिराक में था। ऐन वक्त पर राधाकुंड पुलिस चौकी इंचार्ज रजत कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुँच गए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुँचाया, जहाँ डॉक्टरों ने बताया कि चार से पांच घंटे पहले ही मौत हो चुकी है। अब पुलिस इस बात की गहराई से जांच कर रही है कि यह मामला आत्महत्या का है या हत्या का।

मृतका मुस्कान (फोटो फाइल)

सवाल आत्महत्या या हत्या, जांच में जुटी

भदनवारा में युवक के साथ मारपीट, केस दर्ज

यूनिक समय, सुरीर (मथुरा)। कोतवाली क्षेत्र के गांव भदनवारा में खेत की रखवाली को जा रहे युवक के साथ गाली गलौज मारपीट का मामला प्रकाश में आया है। इसकी प्राथमिकी चार लोगों के खिलाफ दर्ज कराई है। गांव भदनवारा निवासी ठाकुरदास ने दर्ज कराई रिपोर्ट में आरोप लगाया है कि 12 फरवरी की शाम छह बजे के लगभग बाइक से खेत पर जा रहा था।

रास्ते में गांव भदनवारा निवासी राहुल, अरविंद, ज्ञानेंद्र, पाजी खेत में बैठकर शराब पी रहे थे। जेसे ही उसकी बाइक उनके समीप पहुंची तो उक्त चारों लोग उसके साथ गाली गलौज करने लगे। जब उसने विरोध किया तो इसी बात पर आरोपियों ने उसे पकड़ कर साथ मारपीट शुरू कर दी।

उसके मोबाइल को भी तोड़ दिया। शोर शराबा सुन आसपास के लोगों को आता देख आरोपी जान से मारने की धमकी दी। सुरीर पुलिस का कहना है कि घायल युवक को मेडिकल के लिए अस्पताल भेजा है। साथ ही मारपीट के दो आरोपियों को हिरासत में लिया है। मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

श्रद्धालुओं से भरी बस पेड़ से टकराई, मची चीख पुकार

यूनिक समय, मथुरा। छटीकरा-गोवर्धन के बीच राल क्षेत्र में शिवाय रेस्टोरेंट के समीप एक बस पेड़ से जा टकराई। इस हादसे में बस सवार तीन महिला श्रद्धालु गंभीर रूप से घायल हो गईं। जानकारी के अनुसार रविवार दोपहर बस श्रद्धालुओं को लेकर वृंदावन से छटीकरा- राधाकुंड रोड से बरसाना की ओर जा रही थी। सहारनपुर के थाना कोतवाली क्षेत्र स्थित निवास कैंप निवासी सतीश पुत्र रामकुमार बस चला रहा था। जैसे ही बस राल स्थित शिवाय रेस्टोरेंट के सामने पहुंची, वह अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे एक पेड़ से जा भिड़ी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया और यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। हादसे में बस में सवार गौरी पत्नी शिवम, सविता पत्नी अश्वनी, मेनका पत्नी राजीव हैं। सभी घायल महिलाएं ग्राम तबरकपुर, थाना तीतरो, जिला सहारनपुर की रहने वाली हैं। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राल में भर्ती कराया।

ट्रेन की चपेट में आकर अज्ञात युवक की मौत

यूनिक समय, राया (मथुरा)। थाना राया क्षेत्र के अंतर्गत कोयल फाटक के समीप शनिवार की रात्रि कासगंज मथुरा रेल लाइन पर करीब 28 वर्षीय युवक की ट्रेन की चपेट में आकर दर्दनाक मौत हो गयी। सूचना पर कस्बा पुलिस चौकी प्रभारी उज्ज्वल शर्मा और रेलवे पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गयी। शव की शिनाख्त करने का प्रयास किया लेकिन शिनाख्त नही हो सकी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया।

ग्रामीण क्षेत्रों में बम-बम भोले की गूंज

यूनिक समय छाता (मथुरा)। ग्रामीण क्षेत्रों में सुबह से ही शिव मंदिरों पर बम बम भोले के जयकारे गूंजते रहे। शिवरात्रि पर्व को देखते हुए क्षेत्र में पुलिस पूरी तरह तैनात रही। गंगा जी से कावड़ लेकर चार कांवड़िए छाता कोतवाली के ग्राम अलवाई पहुंचे जिनका ग्राम वासियों ने स्वागत किया।

जल सहेली समिति यात्रा वृंदावन पहुंची

नदियां हमारी साझा विरासत

जल सहेली समिति के बैनर तले वृंदावन पहुंची यात्रा में शामिल जल सहेली। छाया– विकास अग्रवाल

विशेष संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। अविरल–निर्मल यमुना का सपना लिए जल सहेलियों की यात्रा अब वृन्दावन पहुंच चुकी है। यहां से आगे बढ़ते हुए यह कारवां दिल्ली की ओर अग्रसर है, लेकिन इस यात्रा का असली पड़ाव केवल भौगोलिक नहीं, बल्कि समाज की चेतना है। 29 जनवरी को जनपद जालौन के पचनद धाम से प्रारंभ हुई यह यात्रा अब तक लगभग 250-300 किलोमीटर का सफर तय कर चुकी है। सात जनसंवादों के दौरान जो सच्चाई सामने आई है, वह चिंताजनक है। यमुना की अविरलता और निर्मलता को लेकर समाज चिंतित तो है, पर निराशा बढ़ती जा रही है। लोग धीरे–धीरे अपनी जिम्मेदारी सरकार पर छोड़ते जा रहे हैं, जबकि नदियों की रक्षा में समाज की भूमिका उतनी ही अनिवार्य है।

आज नदी किनारे आरती, पूजन और धार्मिक आयोजन तो होते हैं, लेकिन नदी के स्वाभाविक प्रवाह, स्वच्छता और संरक्षण के व्यवहारिक दायित्वों से समाज दूर होता जा रहा है। यही वह खालीपन है, जिसे भरने के लिए जल सहेली समिति सड़क पर उतरी है। नारे नहीं, संवाद के साथ। पदयात्रा के दौरान लोगों ने जल सहेलियों को चलते देखा, उनसे बात की और कहा कि समाज को जगाने के लिए ऐसे प्रयास समय की सबसे बड़ी जरूरत हैं। यही इस यात्रा का उद्देश्य भी है।

सरकार और समाज को जिम्मेदारी निभानी होंगी

जल सहेली समिति के संस्थापक संजय सिंह कहते हैं कि नदियां हमारी साझा विरासत हैं। इन्हें केवल सरकार या समाज के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। जब तक दोनों मिलकर जिम्मेदारी नहीं निभाएंगे, सकारात्मक बदलाव संभव नहीं है। उनके लिए यमुना सिर्फ नदी नहीं, बल्कि संस्कृति और आस्था की धारा है, जो पचनद में नया जीवन पाकर प्रयागराज में संगम पर गंगा से मिलती है। लगभग 1250 किलोमीटर से अधिक क्षेत्र में बहने वाली यह नदी लाखों लोगों की अर्थव्यवस्था और जीवनरेखा है। जल सहेली समिति की राष्ट्रीय अध्यक्ष पुष्पा कुशवाहा का कहना है कि बुंदेलखंड का पूरा क्षेत्र यमुना बेसिन से जुड़ा है। हमारा यमुना से भावनात्मक रिश्ता है। इसी जुड़ाव के कारण हम बिना किसी स्वार्थ के घर–परिवार छोड़कर इस यात्रा में निकले हैं, ताकि आने वाली पीढ़ियों को जीवित यमुना मिल सके।

जल सहेली समिति आज सिर्फ एक संगठन नहीं, बल्कि उस उम्मीद का नाम है जो समाज को उसकी जिम्मेदारी याद दिला रही है। यह यात्रा बता रही है कि अगर समाज जागे, तो यमुना बचेगी और अगर यमुना बचेगी, तो हमारी संस्कृति, आस्था और भविष्य भी सुरक्षित रहेगा। यमुना प्रदूषण मुक्त के लिए जालौन से दिल्ली तक पैदल यात्रा पर शामिल जल परियों (महिलाओं) को केसी घाट पर कांग्रेस नेताओं ने स्वागत किया। इस मौके पर पूर्व विधायक प्रदीप माथुर, महानगर अध्यक्ष यतेंद्र मुकद्दम, वृंदावन देहात मंडल अध्यक्ष चंद्रमोहन जयसवाल, चंद्र मोहन शर्मा, दीपक पराशर, कमलेश भारद्वाज, साधु राम एवं कमल पालीवाल आदि शामिल थे।

जेसीआई मथुरा का रोमांटिक वेलेंटाइन प्रोग्राम

कार्यक्रम में थिरकते सदस्य।

प्यार और उत्साह से भरी यादगार कपल नाइट

यूनिक समय, मथुरा। जेसीआई मथुरा द्वारा "वेलेंटाइन कपल नाइट" का भव्य आयोजन होटल मिडास इन, हाईवे प्लाजा, मथुरा में हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में शहर के जेसीआई सदस्यों ने बढ़–चढ़कर भाग लिया और रोमांटिक इवनिंग का भरपूर आनंद उठाया।

कार्यक्रम की खासियत रहे आकर्षक और मनोरंजक गेम्स – "दिल वालों की हाउसी", "पोके द पज़ल" और "वेलेंटाइन गेम" – जिनमें प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। इन खेलों ने पूरे माहौल को रोमांचक और आनंदमय बना दिया। इस अवसर पर अध्यक्ष जेसी संजीव अग्रवाल, सचिव जेसी प्रदीप अग्रवाल (पोशाक वाले), कोषाध्यक्ष जेसी अतुल अग्रवाल (कपड़े वाले), लेडी जेसी चेयरपर्सन शिखा बंसल, लेडी जेसी सचिव उपासना गुप्ता, निवर्तमान अध्यक्ष जेसी विशाल गोयल, पूर्व अध्यक्ष जेसी मनोज, जेसी मोहन कान्ती माला, जेसी शिव शंकर गुप्ता, जेसी नित किशोर गर्ग, जेसी धीरेंद्र बंसल, जेसी बंकी वर्मा और जेसी रजनीश चौधरी सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

सनातन संस्कृति की रक्षा के लिए हिन्दू समाज का संगठित रहना जरूरी

ग्राम पैगांव मे आयोजित हिन्दू सम्मेलन को संबोधित करते राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के क्षेत्रीय सह सम्पर्क प्रमुख हरीश।

यूनिक समय, छाता (मथुरा)। ग्राम पैगांव मे आयोजित हिंदू सम्मेलन में हिन्दू समाज की एकजुटता और सनातन धर्म की रक्षा पर जोर दिया गया। पूरे मैदान में संकल्प गूंजा। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य सभी हिन्दुओं को संगठित होकर समाज में आपसी एकता और सांस्कृतिक मूल्यों को सुदृढ़ करने के लिए प्रेरित करना रहा। सम्मेलन के मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के क्षेत्रीय सह सम्पर्क प्रमुख हरीश ने कहा कि सनातन संस्कृति की रक्षा के लिए हिन्दू समाज का संगठित रहना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सामाजिक एकता, संस्कार और संस्कृति को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया। वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान समय में सनातन संस्कृति और परंपराओं की रक्षा के लिए समाज का जागरूक और संगठित रहना आवश्यक है। जिला पंचायत सदस्य आर पी सिंह ने युवाओं से सनातन मूल्यों को अपनाने और समाज को दिशा देने की अपील की। सम्मेलन में 'एक रहें, नेक रहें' के उद्घघोष के साथ हिंदू एकता का संकल्प लिया गया। श्याम गुरू, क्रान्तिकारी संत सत्यामित्रान्नद महाराज, महेन्द्र प्रताप सिंह, सतीश, राजू, महेन्द्र, ओमप्रकाश शर्मा तथा हंसराज आदि मौजूद थे।

महाशिवरात्रि पर भारत की जीत के महाजश्न का इंतजार

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। लंबे समय तक चले गतिरोध के बाद भारत और पाकिस्तान की टीमों के बीच कोलम्बो में आज सायं सात बजे से शुरू हुए टी–20 विश्वकप के लीग मुकाबले को देखने के लिए ब्रजवासी पूरी तरह से टीवी और मोबाइलों में नजर लगाए दिखाई दिए। महाशिवरात्रि केदिन होने वाले इस हाईवोल्टेज मुकाबले को लेकर वैसे तो जिले भर उत्साह चरम पर है, लेकिन मथुरा और वृंदावन में इस मुकाबले को लेकर क्रिकेट प्रेमियों में अच्छा खासा क्रेज दिखाई देने लगा है। श्रीलंका की राजधानी कोलंबो के प्रेमदासा स्टेडियम में होने वाले मुकाबले के सजीव प्रसारण के लिए शहर के तमाम रेस्टोरेंट, होटल और क्लबों में व्यवस्था की गई है ताकि प्रशंसक यहां आकर मुकाबलों का लुत्फ उठा सकें। आलम यह है कि शहरवासियों ने रात के जरूरी काम टाल दिए हैं ताकि टीम इंडिया का उत्साह बढ़ाया जा सके।

क्रिकेट प्रेमियों में देर रात तक होगा अच्छा खासा क्रेज

टीम इंडिया के जीतने पर आतिशबाजी के साथ मनेगा जश्न

क्रिकेट में रुचि रखने वालों की मानें तो दोनों टीमों की तुलना की जाए तो भारत के आगे पाकिस्तान की टीम कहीं भी नहीं ठहरती है।

ऐसा कोई कारण समझ में नहीं आता, जिसमें भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़े। आज रात्रि को होने वाले मुकाबले में टीम इंडिया धमाकेदार जीत के साथ विश्वकप में खिताब की दावेदारी ठोकेगी। क्रिकेट प्रेमियों का कहना है कि महामुकाबले का असली आनंद तो रात दस बजे आएगा, जब एक–एक गेंद पर नजर होगी।

वैलेंटाइन डे में बाबा बेलन टांग दे का जलवा रहा

जायंट्स ग्रुप ऑफ मथुरा के वैलेंटाइन डे कार्यक्रम में प्रस्तुति देती महिलाएं।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। जायंट्स ग्रुप आफ मथुरा ने एक होटल में वैलेंटाइन डे अंतर्गत सनातनी अंदाज में प्रस्तुत की गई। हास-परिहास से परिपूर्ण लघु नाटिका "बाबा बेलन टांग दे" में बाबा बने अध्यक्ष प्रदीप फौजदार, शिष्या बनी मिताली फौजदार, बिचौलिया बने प्रशासनिक निदेशक मनमोहन गुप्ता व पीड़िता बनी नीलिमा अग्रवाल ने व्यंग्यात्मक संवादों के साथ अपने अभिनय का ऐसा जादू बिखेरा कि पूरा सभागार करतल ध्वनियों की गूंजों से गुंजायमान हो उठा। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण बॉलीवुड तर्ज में पापाराजी फोटो शूट रहा। जिसमें भव्य बने सेल्फी प्वाइंट के आगे आकर्षक मुद्राओं में जायंट्स युगलों ने सेलिब्रिटीज अंदाज में फोटो व वीडियो शूट करा अनोखे आनंद की अनुभूति की। आरंभ में नए सदस्य युगलों रुक्मणीझराधारमन अग्रवाल, रुबिका-पराग अग्रवाल, चरणदयाल-मंजू अग्रवाल, गौरशरण-राधिका अग्रवाल, हेमंत-अनुपम अग्रवाल तथा अंशु-गोपाल अग्रवाल ने अपने पार्टनर्स को गुलाब का फूल देकर फिल्मी गीतों पर नृत्य की आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। अध्यक्ष प्रदीप फौजदार ने अपने बोर्ड मेंबर्स व पूर्व अध्यक्षों उमेश जुगसना, केवलराम चंदानी, अंशुल अग्रवाल, जितेंद्र मित्तल, डॉ.डी.डी. गर्ग, अतुलकृष्ण अग्रवाल को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। सीमा जैन, रितिका मित्तल, बीना गर्ग, श्वेता अग्रवाल, सरिता जुगसना, रचना अरोड़ा, छाया अग्रवाल, मोहिनी खंडेलवाल, योगिता मित्तल ने मस्ती भरे फिल्मी गीतों पर सामूहिक नृत्यों की प्रस्तुतियां देकर कार्यक्रम को भव्यता दी। सीमा गुप्ता व निधि जैन ने हाउजी खिलवाई व महिलाओं से अन्य खेलों में प्रतिभाग कराया। विजेताओं को प्रथम महिला ने उपहार प्रदान किये। संचालन मिताली व नीलिमा ने किया। उपाध्यक्ष गिरीश अग्रवाल ने आभार जताया। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष रवि गर्ग, डीओपी मनीष अरोड़ा, उमेश अग्रवाल, नितेश खंडेलवाल, अशोक मित्तल, आशीष साहू, नितिन जैन, प्रवीन मित्तल, तेज मानिक, पंकज गुप्ता, विमल अग्रवाल एवं राजेश गुप्ता आदि उपस्थित थे।

जायंट्स ग्रुप ऑफ मथुरा वेस्ट में प्रेम और उपलब्धियों का संगम

अंतर्राष्ट्रीय एक्सीलेंसी व एक्सीलेंस प्रेसिडेंट अवॉर्ड से सुशोभित हुए दिनेश अग्रवाल

कार्यक्रम में प्रस्तुति देता एक कपल।

यूनिक समय, मथुरा। जायंट्स ग्रुप ऑफ़ मथुरा वेस्ट द्वारा मसानी लिंक रोड स्थित होटल में हैप्पी वैलेंटाइन डे का रंगारंग आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि फेडरेशन-5 अध्यक्ष विपिन मित्तल ने धर्मपत्नी रितु अग्रवाल, विशिष्ट अतिथि यूनिट डायरेक्टर जुगलकिशोर अग्रवाल ने धर्मपत्नी रजनी तायल, अध्यक्ष दिनेशचंद्र अग्रवाल ने धर्मपत्नी अर्चना अग्रवाल तथा निवर्तमान अध्यक्ष जगदीश चावला ने धर्मपत्नी रेनू चावला के साथ मां शारदे के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। कार्यक्रम में प्रेम की भावना को साकार करते हुए "रेट्रो टू मेट्रो" थीम पर 60-80 के दशक के लोकप्रिय फिल्मी गीतों पर सदस्यों ने मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। धर्मेंद्र-किरन चुग, हर्ष-सोनिका अग्रवाल, संजीव-बबिता जैन, भूपेंद्र-चारु अग्रवाल, राजेश-नीता मित्तल, आश-शैली भाटिया, चेतन-अनीता प्रजापति, बृजेश-संगीता सिंघल, पंकज-शिप्रा मित्तल, अनिल-सुमनलता शर्मा, रश्मि-विजय शोरावाला, संजय-अंजू जॉली, शुचि-राजीव, पूजा-पंकज शर्मा व पूनम-अमित ने युगल नृत्यों से समां बांध दिया। निधि व अर्चना ने "सांसों की माला में लिख दूं मैं पी का नाम" गीत पर भावपूर्ण नृत्य प्रस्तुत कर खूब तालियां बटोरीं। इस अवसर पर 50वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में सर्वाधिक 30 सदस्यों की सहभागिता सुनिश्चित कराने के लिए अध्यक्ष दिनेशचंद्र अग्रवाल को एक्सीलेंसी अवॉर्ड व एक्सीलेंस प्रेसिडेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। साथ ही संजीव जैन को एक्सीलेंस डीओए अवॉर्ड एवं बृजेश सिंघल को एक्सीलेंस डीओएफ अवॉर्ड प्रदान किया गया। कार्यक्रम के दौरान शशि-बृजभूषण कालरा तथा पूनम-मुकेश वर्मा की वैवाहिक वर्षगांठ भी धूमधाम से मनाई गई। लता अरोड़ा ने हाउजी का संचालन किया, जिसके विजेताओं व सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को प्रथम महिला अर्चना अग्रवाल ने पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन भावना अरोड़ा एवं गुंजन अग्रवाल ने किया, जबकि अंत में उपाध्यक्ष सुशील अग्रवाल ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष दुष्यंत अग्रवाल, सुनील भगवती, जितेंद्र सिंह, संजय खंडेलवाल, डॉ. राजेंद्र रिजवी सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

एसएफ स्ट्रीट स्कूल में श्रद्धा के साथ मनाई गई महाशिवरात्रि

यूनिक समय, मथुरा। स्ट्रेंजर फ्रेंड्स हेल्पिंग हैंड्स सोसायटी के बैनर तले संचालित ट्रांसपोर्ट नगर एवं श्यामकुंज स्थित एस.एफ. स्ट्रीट स्कूल में बच्चों के साथ महा शिवरात्रि पर्व मनाया गया। संस्था के संस्थापक पियूष बंसल ने भगवान शिव की स्तुति एवं आराधना की। बच्चों को महाशिवरात्रि के महत्व को समझाया। इस मौके पर वरिष्ठ सदस्य अंकिता शर्मा, संस्था की अध्यक्ष शिखा बंसल तुषार बंसल, कंचन शर्मा आदि उपस्थित थे।

बरसाना के सुदामा चौक को मिली मुक्ति

सालों पुराना अतिक्रमण ढहा

संवाददाता

यूनिक समय, बरसाना/ गोवर्धन। विश्वविख्यात लठामार होली से पहले प्रशासन का सबसे बड़ा फोकस इस बार बरसाना के हृदय स्थल सुदामा चौक पर रहा। वर्षों से अतिक्रमण के बोझ तले कराहता यह चौक आखिरकार आधी रात चली जेसीबी की गर्जना के साथ 'मुक्त' हो गया। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ और परिक्रमा मार्ग के दबाव के कारण सुदामा चौक लंबे समय से संकरा हो चुका था।

नालियों से बाहर निकले चबूतरे, दुकानों के बढ़े छज्जे, अवैध शोकेस और बाउंड्रीवाल के कारण यहां हर पर्व पर जाम और धक्का मुक्की की स्थिति बनती थी। स्थानीय लोग भी

लठामार होली से पहले एसडीएम प्राजक्ता त्रिपाठी का बड़ा एक्शन

वर्षों से समाधान की मांग कर रहे थे, लेकिन कार्रवाई टलती रही। शुक्रवार देर रात प्रशासन ने सख्ती दिखाते हुए दो किलोमीटर क्षेत्र में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया, जिसमें सुदामा चौक केंद्र में रहा।

एसडीएम गोवर्धन प्रजाक्ता त्रिपाठी के नेतृत्व में सीओ अनिल कुमार सिंह, अधिशासी अधिकारी डॉ. कल्पना बाजपेयी और थाना प्रभारी अश्वनी कुमार की मौजूदगी में बुलडोजर ने सुदामा चौक से नया बस स्टैंड तक अतिक्रमण पर सीधा प्रहार किया। नगर पंचायत की ओर से पूर्व में नोटिस जारी किए गए थे, लेकिन अनुपालन न होने पर प्रशासन ने कार्रवाई का रास्ता चुना। एक जेसीबी और चार ट्रैक्टर ट्रॉलियां देर रात तक मलबा हटाने में जुटी रहीं।

श्रद्धालुओं को मिलेगी राहत

यूनिक समय, बरसाना। सुदामा चौक बरसाना आने वाले श्रद्धालुओं के लिए प्रमुख मार्ग है। लठामार होली के दौरान यहां हजारों की भीड़ उमड़ती है। पिछले वर्षों में जाम और अव्यवस्था प्रशासन के लिए चुनौती बनी रही। ऐसे में चौक को अतिक्रमण मुक्त कर प्रशासन ने साफ संकेत दिया है कि इस बार व्यवस्था से कोई समझौता नहीं होगा। मौके पर मौजूद कई स्थानीय नागरिकों ने एसडीएम प्राजक्ता त्रिपाठी के इस निर्णय की सराहना की और कहा कि वर्षों पुरानी समस्या का समाधान आखिरकार हुआ। एसडीएम प्राजक्ता त्रिपाठी ने स्पष्ट किया कि 20 फरवरी तक अभियान जारी रहेगा, ताकि बरसाना होली से पहले पूरी तरह व्यवस्थित और सुरक्षित रूप में नजर आए। बरसाना में आधी रात चला यह बुलडोजर अभियान अब सिर्फ कार्रवाई नहीं, बल्कि सुदामा चौक की 'मुक्ति' के रूप में चर्चा का विषय बन गया है।

क्रिकेट अकेडमी फॉर एक्सीलेंस कॉर्पोरेट कप

मथुरा मेडिकोज के जुगेन्द्र को प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब देते हुए।

मथुरा मेडिकोज और ब्लॉक इलेवन बलदेव ने जीते अपने लीग मैच

यूनिक समय, मथुरा। क्रिकेट अकेडमी फॉर एक्सीलेंस द्वारा सीपी क्रिकेट स्टेडियम, रावल में आयोजित कॉर्पोरेट कप के अंतर्गत खेले गए मुकाबलों में मथुरा मेडिकोज और ब्लॉक इलेवन बलदेव ने शानदार जीत दर्ज की। पहले मैच में यूएचए 11 के कप्तान उपांशु गहराना ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का निर्णय लिया। मथुरा मेडिकोज ने निर्धारित 20 ओवरों में 8 विकेट पर 184 रन बनाए। डॉ. अमित ने 39 और डॉ. अपूर्व तोमर ने 35 रन का योगदान दिया। यूएचए 11 की ओर से अमोघ ने 3 विकेट झटके। जवाब में यूएचए 11 की टीम 20 ओवरों में 8 विकेट पर 157 रन ही बना सकी। अमोघ (35) और अखिल (30) ने संघर्ष किया। मथुरा मेडिकोज़ की ओर से जुगेन्द्र ने 4 विकेट लेकर प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब हासिल किया। दूसरे मैच में ब्लॉक 11 बलदेव ने एसएससी नाइट्स को करारी शिकस्त दी। पहले बल्लेबाजी करते हुए ब्लॉक 11 बलदेव ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 227 रन बनाए। विशाल ने नाबाद 112 और मंटू ने 74 रन की शानदार पारी खेली। जवाब में एसएससी नाइट्स 104 रन पर ऑल आउट हो गई। नीरज सोनकर ने 17 रन बनाए। मंटू (3 विकेट) और योगेश–दिनेश (2–2 विकेट) ने बेहतरीन गेंदबाजी की। मंटू को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। मैच में अंपायरिंग समीर खान और शिव प्रताप ने की।

एडीजी अनुपम कुलश्रेष्ठ ने गिरिराज जी की परिक्रमा की

संवाददाता

यूनिक समय, गोवर्धन। ब्रज की आस्था के केंद्र गोवर्धन में शनिवार को आध्यात्मिक माहौल उस समय विशेष हो गया, जब आगरा जोन की अपर पुलिस महानिदेशक अनुपम कुलश्रेष्ठ ने गिरिराज जी की सात कोस की परिक्रमा पूर्ण की। एडीजी ने गिरिराज महाराज का दुग्ध अभिषेक कर विधिवत पूजा–अर्चना की और आशीर्वाद प्राप्त किया। परिक्रमा के दौरान अंशु कौशिक ने उन्हें गिरिराज जी के महत्व, परिक्रमा की परंपरा और ब्रज की आध्यात्मिक महत्ता के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी अनिल कुमार सिंह, थाना प्रभारी निरीक्षक भगवत सिंह गुर्जर, दीपक अग्रवाल, सजल

गिरिराज तलहटी में आराध्य की पूजा करतीं एडीजी अनुपम कुलश्रेष्ठ।

अग्रवाल, मुकुट बिहारी कौशिक, देवेश सोनी और संदीप सोनी आदि उपस्थित रहे। एडीजी अनुपम कुलश्रेष्ठ ने व्यस्त पुलिस सेवा के बीच समय निकालकर इस आध्यात्मिक यात्रा को प्राथमिकता दी। उन्होंने कहा कि गिरिराज जी की परिक्रमा से आत्मिक शांति मिलती है।

माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट ने किया होम्योपैथिक चिकित्सालय शुरू

होम्योपैथिक चिकित्सालय के शुभारंभ पर माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट के पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। महाशिवरात्रि पर माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट ने माहेश्वरी सेवा सदन प्रांगण में होम्योपैथिक चिकित्सालय की शुरुआत की। ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने बताया कि यह चिकित्सालय आमजन को निशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराएगा, जिससे जरूरतमंद लोगों को लाभ मिलेगा। कार्यक्रम में प्रेसीडेंट मुकेश कुमार मालपानी, कोषाध्यक्ष अभिषेक राठी, अजय माहेश्वरी, उषीरा दीवान, अभिषेक गादेश्वरी, राजेंद्र राठी एडवोकेट, संजय राठी, के.जी. माहेश्वरी, अजय राठी, साजनी मालपानी, जय किशोर गोदानी, प्रिया माहेश्वरी और अरुण माहेश्वरी आदि उपस्थित थे।

महाशिवरात्रि पर नागरिक सुरक्षा के वार्डन एवं स्वयंसेवकों ने संभाला मोर्चा

यूनिक समय, मथुरा। महाशिवरात्रि पर प्रमुख शिवालयों में उमड़ने वाली श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को सुगम दर्शन कराने और व्यवस्था बनाए रखने के लिए नागरिक सुरक्षा मथुरा की टीम पूरी मुस्तैदी के साथ तैनात रही। अपर जिलाधिकारी/प्रभारी अधिकारी (नागरिक सुरक्षा) नन्द प्रसाद मौर्य के निर्देशन और सहायक उप नियंत्रक नीरज श्रीवास्तव के पर्यवेक्षण में पूरे जनपद के मंदिरों पर सुरक्षा का खाका तैयार किया गया। इस सेवा अभियान को सफल बनाने में चीफ वार्डन राजीव अग्रवाल एवं डिप्टी चीफ वार्डन कल्यान दास अग्रवाल, डिवीजनल वार्डन भारत भूषण तिवारी का विशेष सहयोग मिला। ड्यूटी के दौरान मथुरा जनपद के मंदिरों में सिविल डिफेंस के वार्डन एवं स्वयंसेवक श्रद्धालुओं की सेवा करते नजर आए। भूतेश्वर महादेव, रंगेश्वर महादेव और अन्य प्रमुख शिवालयों के बाहर कतारों को व्यवस्थित करने से लेकर बुजुर्गों एवं दिव्यांगों की सहायता करने तक, स्वयंसेवकों ने अपनी सक्रिय भूमिका निभाई। यह जानकारी नागरिक सुरक्षा मथुरा की वार्डन पोस्ट संख्या एक के पोस्ट वार्डन एवं मास्टर ट्रेनर अशोक यादव ने दी।

मोहनेश्वर महादेव मंदिर पर ठंडाई का प्रसाद बंटा

यूनिक समय, मथुरा। महाशिवरात्रि पर मोहनेश्वर महादेव मित्र मंडल ने महाकाल का अभिषेक कर भस्म आरती की। मोहनेश्वर महादेव मंदिर में भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है।

कृपालेश्वर महादेव मंदिर पर सजा फूलों का बंगला

यूनिक समय, मथुरा। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर प्रोफेसर कॉलोनी स्थित परशुराम धर्मशाला में विराजमान कृपालेश्वर महादेव मंदिर में भक्तों द्वारा आकर्षक फूलों का बंगला सजाया गया। भगवान भोलेनाथ को नवीन पोशाक धारण कराकर भव्य श्रृंगार किया गया, जिससे मंदिर परिसर दिव्य आभा से आलोकित हो उठा। दर्शनों के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं। पुष्पा शुक्ला के नेतृत्व में महिलाओं ने भजन–कीर्तन प्रस्तुत किए तथा 101 दीपकों से भव्य आरती उतारी। महाशिवरात्रि के अवसर पर सभी भक्तों को प्रसाद वितरण भी किया गया। व्यवस्था में प्रमुख रूप से टी.के. गौड़, हरदेव शर्मा, महेश चंद शुक्ला, आलोक दीक्षित, संजय अग्रवाल, नारायण प्रसाद शर्मा, बलराम सोनी, हरीश गौड़, शशिकांत शुक्ला, हर्ष शुक्ला, डॉ. विनोद शर्मा सहित अन्य श्रद्धालु सक्रिय रहे।

संचार साथी के नाम पर लगातार मैसेज से लोग परेशान

असली या फर्जी, उठे सवाल

विशेष संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। मोबाइल उपभोक्ताओं के फोन पर इन दिनों "संचार साथी" के नाम से लगातार एसएमएस और नोटिफिकेशन प्राप्त हो रहे हैं, जिससे कई लोग असमंजस और परेशानी की स्थिति में हैं। संदेश में लिखा है–"क्या आपको जानना है कि आपका मोबाइल असली है?" या "क्या कोई आपके नाम से मोबाइल कनेक्शन का दुरुपयोग कर रहा है? जानने के लिए संचार साथी डाउनलोड करें।" इसके साथ एंड्रॉयड और आईओएस ऐप के लिंक भी दिए जा रहे हैं। कुछ उपभोक्ताओं को यह संदेश ट्रूकॉलर नोटिफिकेशन के माध्यम से दिखाई दिया, जबकि कई लोगों को सीधे एसएमएस के रूप में प्राप्त हुआ। संदेश में दूरसंचार विभाग, भारत सरकार का उल्लेख किया गया है, जिससे आम नागरिक इसे सरकारी सूचना समझकर लिंक पर क्लिक करने को प्रेरित हो सकते हैं। हालांकि, बार–बार अलग–अलग लिंक (कभी बिट.ली शॉर्ट लिंक, तो कभी सीधे प्ले स्टोर/एप्पल स्टोर लिंक) भेजे जाने से लोगों के मन में शंका उत्पन्न हो रही है। साइबर विशेषज्ञों का कहना है कि किसी भी अज्ञात लिंक पर क्लिक करने से पहले उसकी सत्यता की जांच अवश्य करनी चाहिए। यदि लिंक आधिकारिक प्ले स्टोर या एप्पल स्टोर पर ही ले जाए तो अपेक्षाकृत सुरक्षित माना जा सकता है, लेकिन शॉर्ट लिंक पर विशेष सावधानी जरूरी है। मोबाइल उपभोक्ताओं का कहना है कि एक ही प्रकार का संदेश कई दिनों के अंतराल में बार–बार भेजा जा रहा है, जबकि "इस सेंडर द्वारा जवाब देना सपोर्ट नहीं किया जाता है" का उल्लेख होने से वे सीधे जवाब भी नहीं दे पा रहे हैं। इससे संदेश की प्रामाणिकता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि किसी भी ऐप को डाउनलोड करने से पहले संबंधित विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर जानकारी की पुष्टि करें। साथ ही, मोबाइल में एंटीवायरस और सुरक्षा अपडेट सक्रिय रखें। यदि संदेश संदिग्ध लगे तो उसे "रिपोर्ट स्पैम" या "रिपोर्ट" विकल्प के माध्यम से चिह्नित करें। फिलहाल उपभोक्ताओं में यह चर्चा का विषय बना हुआ है कि यह जागरूकता अभियान है या फिर किसी प्रकार की डिजिटल स्पैम गतिविधि।

प्रशासन और दूरसंचार विभाग की ओर से स्पष्ट और आधिकारिक सूचना जारी किए जाने की आवश्यकता महसूस की जा रही है, ताकि आम नागरिक भ्रम की स्थिति से बाहर आ सकें।

मथुरा में क्षय रोगियों को पौष्टिक आहार किट दी

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा के गोवर्धन, बरसाना, फरह और बलदेव क्षेत्रों में मंडोना रूरल डेवलपमेंट फाउंडेशन ने क्षय रोगियों के लिए स्वास्थ्य एवं पोषण कार्यक्रम आयोजित किया। अभियान के दौरान 550 से अधिक क्षय रोगियों को पौष्टिक सामग्री वितरित की गई। कार्यक्रम में रोगियों को व्यक्तिगत स्वच्छता, संक्रमण की रोकथाम तथा नियमित दवा सेवन के महत्व के बारे में विस्तार से बताया गया। परिजनों को भी जांच कराने एवं आवश्यकता पड़ने पर बचाव की औषधि लेने के लिए प्रेरित किया गया। उच्च जोखिम वाले गांवों की पहचान तथा वहां निवास करने वाले संवेदनशील वर्गों की स्क्रीनिंग पर विशेष बल दिया गया। उच्च जोखिम समूह के व्यक्तियों के एक्स–रे परीक्षण और समय पर जांच की आवश्यकता पर चर्चा की गई, जिससे रोग की शीघ्र पहचान सुनिश्चित की जा सके। जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. संजीव यादव ने कहा कि क्षय रोग पूरी तरह से उपचार योग्य है, बशर्ते रोगी नियमित रूप से दवा का सेवन करे और उपचार की अवधि पूर्ण करे। कार्यक्रम में आगामी टीबी मुक्त भारत अभियान की जानकारी भी साझा की गई। लोगों से सक्रिय भागीदारी की अपील की गई। कार्यक्रम में लक्ष्मीकांत गौर, डॉ. चंद्रवल्ली, आलोक तिवारी, पंकज यादव, मुकेश, मंजीत जादौन, अनूप, सत्यवीर, तेजवीर, राजेश यादव एवं पुष्पेंद्र आदि की सहभागिता रही।

मौसम बदला, सेहत संभालो! नींद की कमी से बढ़ सकता है इन बीमारियों का खतरा

यूनिक समय, नई दिल्ली। फागुन का महीना सर्दी की विदाई और बदलते मौसम का संकेत देता है, लेकिन यही समय सेहत के लिए चुनौती भी बन सकता है। तापमान और धूप में बदलाव का असर हमारी बॉडी क्लॉक यानी सर्केडियन रिदम पर पड़ता है। कम धूप मिलने से सेरोटोनिन घटता है और मेलाटोनिन का संतुलन बिगड़ जाता है, जिससे नींद प्रभावित होती है। कई लोग मौसमी अनिद्रा या सीजनल अफेक्टिव डिसऑर्डर जैसी समस्याओं का सामना करते हैं। रात में बार-बार नींद खुलना, सुबह थकान और दिनभर सुस्ती इसके आम लक्षण हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार एक स्वस्थ व्यक्ति के लिए 7 से 9 घंटे की नींद बेहद जरूरी है। नींद सिर्फ आराम नहीं, बल्कि शरीर की रिपेयरिंग प्रक्रिया है। पर्याप्त नींद न मिलने पर दिमाग की एकाग्रता और याददाश्त कमजोर हो सकती है, ब्लड प्रेशर बढ़ सकता है, ब्लड शुगर असंतुलित हो सकती है और इम्यूनिटी घट सकती है। लगातार 18 से 24 घंटे तक जागे रहने पर चिड़चिड़ापन और काम में मन न लगना शुरू हो जाता है, जबकि 36 से 48 घंटे की नींद की कमी से तनाव, बेचैनी और निर्णय लेने की क्षमता प्रभावित हो सकती है। योगगुरु स्वामी रामदेव के अनुसार अच्छी और गहरी नींद सेहतमंद जीवन की सबसे महत्वपूर्ण साधना है। सुबह की धूप में कुछ समय बिताने से शरीर में सेरोटोनिन बढ़ता है, जिससे मूड और नींद दोनों बेहतर होते हैं। जरूरत पड़ने पर लाइट थेरेपी भी बॉडी क्लॉक को संतुलित करने में सहायक हो सकती है। योग और प्राणायाम जैसे अनुलोम-विलोम, भ्रामरी और ध्यान मानसिक तनाव को कम कर नींद को सुधारते हैं। नियमित दिनचर्या, समय पर सोना-जागना और संतुलित आहार अपनाना भी जरूरी है। मौसमी बदलाव के इस दौर में शरीर और मन की लय को साधना ही स्वस्थ जीवन का असली राज है।

होली 2026: मथुरा–वृंदावन में रंगों का अद्भुत उत्सव

यूनिक समय, नई दिल्ली। अगर आप इस बार होली को खास और यादगार बनाना चाहते हैं, तो मथुरा-वृंदावन घूमने का प्लान बेहतरीन विकल्प हो सकता है। ब्रज भूमि में होली सिर्फ एक दिन का त्योहार नहीं, बल्कि हफ्तों तक चलने वाला उत्सव है। यहां की होली में भक्ति, परंपरा और रंगों का अनोखा संगम देखने को मिलता है।

सबसे पहले बात करें बरसाना और नंदगांव की प्रसिद्ध लठमार होली की। बरसाना की लठमार होली में महिलाएं पुरुषों पर प्रेमपूर्वक लाठियां बरसाती हैं और पुरुष ढाल से बचाव करते हैं। वहीं नंदगांव में भी इसी परंपरा का रंग देखने को मिलता है। यह अनोखी परंपरा देश–विदेश के पर्यटकों को आकर्षित करती है। मथुरा के द्वारकाधीश मंदिर में होली के दौरान भव्य आयोजन होते हैं। यहां भक्त रंग–गुलाल के साथ भजन–कीर्तन में डूबे नजर आते हैं। वहीं वृंदावन के बांके बिहारी मंदिर में फूलों की होली विशेष आकर्षण का केंद्र होती है। रंगों की जगह फूलों की वर्षा के बीच श्रद्धालु दिव्य आनंद का अनुभव करते हैं।

इसके अलावा राधा रानी मंदिर में भी धूमधाम से होली मनाई जाती है। गोकुल की छड़ीमार होली भी काफी प्रसिद्ध है, जहां पारंपरिक अंदाज में उत्सव मनाया जाता है। ध्यान रखें कि होली के समय यहां भारी भीड़ रहती है, इसलिए यात्रा और होटल की बुकिंग पहले से कर लेना बेहतर है। वृंदावन में होली का जश्न बसंत पंचमी से शुरू होकर लगभग 40 दिनों तक चलता है। अगर आप रंगों, भक्ति और संस्कृति से भरपूर होली का अनुभव लेना चाहते हैं, तो ब्रज की होली जरूर देखें–यह अनुभव जिंदगीभर याद रहेगा।

स्वाद से भरपूर नारियल–मूंगफली की चटनी: आसान रेसिपी

यूनिक समय, नई दिल्ली। अगर आप घर पर रेस्टोरेंट जैसा स्वाद चाहते हैं, तो नारियल–मूंगफली की चटनी जरूर ट्राई करें। यह चटनी न सिर्फ स्वादिष्ट है, बल्कि पोषक तत्वों से भी भरपूर है। इसे आप डोसा, इडली या किसी भी स्नैक के साथ सर्व कर सकते हैं।

सामग्री: 200 ग्राम मूंगफली, 2 चम्मच चना दाल, 50 ग्राम ताजा नारियल, 1-2 चम्मच दही (वैकल्पिक), इंच अदरक, 2-4 लहसुन की कलियां, नमक स्वादानुसार, 1 चम्मच सरसों का तेल, 1 छोटा चम्मच राई, 2-3 साबुत लाल मिर्च, 1-2 हरी मिर्च, 6-7 करी पत्ते और जरूरत अनुसार पानी।

विधि: सबसे पहले मूंगफली को धीमी आंच पर भूरा होने तक ड्राई रोस्ट कर लें। फिर चना दाल को भी हल्का सुनहरा होने तक भून लें। अब मिक्सर में मूंगफली, चना दाल, नारियल, अदरक, लहसुन, नमक और थोड़ा पानी डालकर बारीक पीस लें। चाहें तो इसमें दही मिलाकर स्वाद बढ़ा सकते हैं। अब तड़के के लिए पैन में सरसों का तेल गर्म करें। इसमें राई, लाल मिर्च, हरी मिर्च और करी पत्ते डालकर चटकाएं। तैयार तड़के को चटनी में मिला दें। लीजिए, तैयार है लाजवाब नारियल-मूंगफली की चटनी। बच्चे हों या बड़े, सभी इसे बड़े चाव से खाएंगे।

हाइजीन के लिए जरूरी: घर की इन चीजों को समय–समय पर बदलें

यूनिक समय, नई दिल्ली। अक्सर हम घर में इस्तेमाल होने वाली कई चीजों को सालों तक बिना बदले उपयोग करते रहते हैं। लेकिन यही आदत बैक्टीरिया और फंगस को बढ़ावा दे सकती है, जिससे सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है। बेहतर हाइजीन बनाए रखने के लिए कुछ चीजों को समय–समय पर बदलना बेहद जरूरी है।

सबसे पहले बात करें नहाने के तौलिए की। तौलिया रोजाना नमी सोखता है, जिससे उसमें बैक्टीरिया पनपने का खतरा रहता है। तौलिए को हफ्ते में कम से कम दो बार धोना चाहिए और हर 1–2 साल में बदल देना बेहतर माना जाता है। इसी तरह रोज पहनने वाली चप्पलों को भी हर साल बदल लेना चाहिए, क्योंकि इनमें पसीना, धूल और कीटाणु जमा हो सकते हैं। बिस्तर की चादर और पिलो कवर भी लंबे समय तक इस्तेमाल नहीं करने चाहिए। इनमें पसीना, डेड स्किन और धूल जमा होती रहती है। चादर और पिलो कवर को नियमित रूप से धोने के साथ–साथ हर 2–3 साल में बदल देना चाहिए। इसके अलावा प्लास्टिक की आइस क्यूब ट्रे में छोटे-छोटे क्रैक हो सकते हैं, जहां बैक्टीरिया जमा हो जाते हैं।

इन्हें 1–2 साल में बदलना सही रहता है। अगर आप रीयूजेबल वॉटर बॉटल इस्तेमाल करते हैं, तो उसे भी लगभग 6 महीने में बदल लेना चाहिए। छोटी-छोटी सावधानियां अपनाकर आप अपने घर और सेहत दोनों को सुरक्षित रख सकते हैं।

सेब जैसा दिखने वाला कश्मीरी एप्पल बेर, स्वाद में बेहद मीठा और रसीला

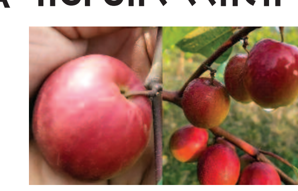

यूनिक समय, नई दिल्ली। इन दिनों बाजार में बेर की कई किस्में मिल रही हैं, लेकिन कश्मीरी एप्पल बेर सबसे अलग नजर आता है। दूर से देखने पर यह बिल्कुल छोटे सेब जैसा लगता है, इसलिए कई लोग पहचान नहीं पाते कि यह बेर है या सेब। इसे एप्पल बेर भी कहा जाता है और यह मूल रूप से थाईलैंड की किस्म है। इसका वजन करीब 100-200 ग्राम तक होता है और इसका स्वाद बेहद मीठा व रसीला होता है। इसमें गूदा ज्यादा और बीज छोटा होता है, इसलिए खाने में और भी बेहतर लगता है। इसी तरह भारत सुंदरी बेर भी लाल रंग का और स्वादिष्ट होता है, जिसकी खेती तेजी से बढ़ रही है। देसी हरे और गोल बेर भी बाजार में खूब बिकते हैं।

फरवरी ट्रैवल प्लान : सुकून और शांति के लिए इन पहाड़ी जगहों को करें एक्सप्लोर

यूनिक समय, नई दिल्ली। फरवरी का सुहावना मौसम पहाड़ों की सैर के लिए बेहतरीन माना जाता है। ठंडी हवाएं, साफ आसमान और कम भीड़भाड़ इस महीने को ट्रैवल लवर्स के लिए खास बना देती हैं। अगर आप भी फरवरी के बचे हुए दिनों में शांति और प्रकृति के करीब समय बिताना चाहते हैं, तो इन खूबसूरत हिल स्टेशनों को अपनी ट्रैवल लिस्ट में शामिल कर सकते हैं।

उत्तराखंड में जहां ज्यादातर लोग नैनीताल और मसूरी का रुख करते हैं, वहीं औली अपेक्षाकृत शांत और कम भीड़भाड़ वाला हिल स्टेशन है। यहां से बर्फ से ढकी चोटियों और खासतौर पर नंदा देवी का मनमोहक दृश्य दिखाई देता है। अगर आप स्कीइंग या सिर्फ बर्फीले नजारों का आनंद लेना चाहते हैं, तो औली आपके लिए परफेक्ट डेस्टिनेशन हो सकता है। गुलमर्ग को 'धरती का स्वर्ग' यूं ही नहीं कहा जाता। फरवरी में यह जगह बर्फ की चादर से ढकी रहती है। यहां स्कीइंग और स्नोबोर्डिंग जैसी एडवेंचर एक्टिविटीज का लुत्फ उठाया जा सकता है। बर्फ से घिरी वादियां और शांत माहौल सुकून के पल बिताने के लिए आदर्श हैं। अगर आप किसी अनोखी और कम एक्सप्लोर की गई जगह पर जाना चाहते हैं, तो तवांग बेहतरीन विकल्प है। लगभग 8,757 फीट की ऊंचाई पर स्थित यह हिल स्टेशन अपने हाई एल्टीट्यूड बर्फीले नजारों और शांत वातावरण के लिए प्रसिद्ध है।

यहां की प्राकृतिक सुंदरता और सादगी आपको शहर की भागदौड़ से दूर सुकून का अनुभव कराएगी। फरवरी के इन बचे हुए दिनों में पहाड़ों की सैर आपके मन और शरीर दोनों को तरोताजा कर सकती है। बस यात्रा से पहले मौसम और बुकिंग की सही प्लानिंग जरूर कर लें, ताकि आपका ट्रिप यादगार बन सके।

घर पर बनाएं स्वादिष्ट सूजी का हलवा

यूनिक समय, नई दिल्ली। सूजी का हलवा एक पारंपरिक और बेहद लोकप्रिय मिठाई है, जिसे खास मौकों से लेकर रोजमर्रा के मीठे स्वाद के लिए भी बनाया जाता है। अगर आप इसे परफेक्ट तरीके से बनाना चाहते हैं, तो आखिरी स्टेप्स का सही ध्यान रखना जरूरी है।

जब सूजी अच्छी तरह भूनकर उसमें चाशनी या पानी मिला दिया जाए, तो गैस की फ्लेम धीमी कर दें। अब हलवे को लगातार या बीच–बीच में चलाते हुए पकाएं, ताकि उसमें गुठलियां न बनें और सूजी अच्छी तरह फूल जाए। कुछ ही मिनटों में हलवा गाढ़ा होने लगेगा। जब आपको मनचाही कंसिस्टेंसी मिल जाए, तो गैस बंद कर दें। आप चाहें तो इसे थोड़ा पतला या ज्यादा गाढ़ा अपनी पसंद के अनुसार रख सकते हैं। अगर आपको केसर का फ्लेवर पसंद है, तो चाशनी बनाते समय उसमें पहले से भीगी हुई केसर डाल दें। इससे हलवे का रंग और खुशबू दोनों ही शानदार हो जाएंगे। अंत में तैयार हलवे में अपनी पसंद के मेवे जैसे काजू, बादाम या किशमिश डालकर सजाएं। गरमागरम सूजी का हलवा परोसें और परिवार के साथ इसका आनंद लें। खासतौर पर बच्चों को यह मिठाई बेहद पसंद आती है।

सुविचार

किसी की सलाह से रास्ते जरूर मिलते हैं पर मंजिल तो खुद की मेहनत से ही मिलती है।

कल का पंचांग

तिथि	चतुर्दशी	04:01-05:05 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	उत्तराषाढ़ा	06:16-07:48 तक	माह	फाल्गुन
सूर्योदय		6:59 AM	चन्द्रोदय	06:11 AM
सूर्यास्त		6:07 PM	चंद्रास्त	05:08 PM
सूर्य राशि		कुंभ राशि	चंद्र	मकर राशि
शुभ मुहूर्त	12:08PM -12:50 PM		ब्रह्म मुहूर्त	05:083-06:11
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2082
राहुकाल	04:43PM-06:06PM		वार	सोमवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

महाशिवरात्रि का दिव्य संदेश: आंतरिक शांति और सामूहिक सद्भाव की ओर एक कदम

यूनिक समय, मथुरा। महाशिवरात्रि का पावन पर्व आज पूरे देश में उत्साह और भक्ति के साथ मनाया जा रहा है, जो न केवल व्यक्तिगत आध्यात्मिक उन्नति का प्रतीक है, बल्कि सामाजिक एकता और पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी देता है। इस वर्ष, ब्रज भूमि से निकलकर यह उत्सव एक वैश्विक संवाद बन गया है, जहां शिव की कृपा से जीवन की हर चुनौती को अवसर में बदलने की प्रेरणा मिलती है। हमारा यह विशेष रिपोर्ट उन अद्वितीय सकारात्मक आध्यात्मिक संदेशों पर केंद्रित है, जो हर व्यक्ति को अपनी आंतरिक शक्ति से जोड़ते हैं, बिना किसी भेदभाव के। इन संदेशों को ऐसे तैयार किया गया है कि वे सभी धर्मों और समुदायों की भावनाओं का सम्मान करते हुए, एक साझा मानवीय मूल्यों की नींव पर खड़े हैं।

पहला संदेश: "शिव की साधना से आत्म–जागरण"। महाशिवरात्रि हमें सिखाती है कि जीवन की भागदौड़ में रुककर स्वयं से जुड़ना कितना आवश्यक है। जैसे शिव ध्यान में लीन रहते हैं, वैसे ही हम भी रोजाना कुछ पल मौन में बिताकर मन की शांति पा सकते हैं। यह संदेश युवाओं को विशेष रूप से प्रेरित करता है कि तकनीकी दुनिया में भी आध्यात्मिक संतुलन बनाए रखें, जिससे तनाव कम हो और रचनात्मकता बढ़े। स्थानीय विद्वानों के अनुसार, यह अभ्यास न केवल व्यक्तिगत विकास करता है, बल्कि परिवारों में सकारात्मक ऊर्जा फैलाता है।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

दूसरा संदेश: "सद्भाव की शिव ज्योति"। शिव और पार्वती का मिलन विविधता में एकता का प्रतीक है। आज के समय में, जब समाज में मतभेद बढ़ रहे हैं, यह पर्व हमें याद दिलाता है कि हर व्यक्ति में दिव्यता है। चाहे कोई भी पृष्ठभूमि हो, शिव की पूजा सबको समान रूप से आशीर्वाद देती है। दिल्ली के मंदिरों में देखा गया कि विभिन्न समुदायों के लोग एक साथ जागरण कर रहे हैं, जो सांप्रदायिक सद्भाव का जीवंत उदाहरण है। यह संदेश सामाजिक कार्यकर्ताओं को प्रोत्साहित करता है कि छोटे-छोटे प्रयासों से बड़े बदलाव लाए जा सकते हैं, जैसे पड़ोसियों के साथ साझा पूजा आयोजन।

तीसरा संदेश: "पर्यावरण संरक्षण की शिव भक्ति"। बिल्व पत्र और धतूरा जैसे प्राकृतिक तत्वों से शिव पूजा हमें प्रकृति से जुड़ने का आह्वान करती है। महाशिवरात्रि पर वृक्षारोपण और नदी सफाई अभियान चलाए जा रहे हैं, जो बताते हैं कि आध्यात्मिकता पर्यावरण से अलग नहीं है। जैसे शिव कैलाश पर विराजमान हैं, वैसे ही हमें अपनी धरती को संरक्षित रखना चाहिए। यह अद्वितीय दृष्टिकोण युवा पर्यावरणवादियों को जोड़ता है, जो आध्यात्मिकता को आधुनिक विज्ञान से मेल खाने वाला पाते हैं। चौथा संदेश: "क्षमा और करुणा का शिव तत्व"। शिव को 'भोलेनाथ' कहकर हम उनकी सरलता और क्षमाशीलता का सम्मान करते हैं। यह पर्व हमें सिखाता है कि गलतियों से सीखकर आगे बढ़ें और दूसरों को माफ करें। मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि यह अभ्यास अवसाद को कम करता है और रिश्तों को मजबूत बनाता है। मथुरा के घाटों पर श्रद्धालु यमुना में डुबकी लगाकर पापों से मुक्ति पाते हैं, जो प्रतीकात्मक रूप से जीवन की नकारात्मकता को त्यागने का संदेश देता है। **पांचवां संदेश:** "सशक्तिकरण की शिव शक्ति"। महिलाओं के लिए पार्वती का रूप प्रेरणा है, जो बताता है कि शक्ति और सौम्यता साथ–साथ चल सकती हैं। महाशिवरात्रि पर विशेष महिला सभाओं में यह चर्चा हो रही है कि आध्यात्मिकता से आत्मविश्वास बढ़ता है।

नए साल का व्रत–त्योहार कैलेंडर

- 17 फरवरी, दिन मंगलवार: दर्श अमावस्या, फाल्गुन अमावस्या, पहली भौमवती अमावस्या
- 21 फरवरी, दिन शनिवार: ढुण्ढिराज चतुर्थी
- 27 फरवरी, दिन शुक्रवार: आमलकी एकादशी
- 1 मार्च, दिन रविवार: रवि प्रदोष व्रत
- 3 मार्च, दिन मंगलवार: फाल्गुन पूर्णिमा
- 4 मार्च, दिन बुधवार: होली
- 6 मार्च, दिन शुक्रवार: भालचन्द्र संकष्टी
- 15 मार्च, दिन रविवार: पापमोचनी एकादशी
- 16 मार्च, दिन सोमवार: सोम प्रदोष व्रत
- 17 मार्च, दिन मंगलवार: चैत्र मासिक शिवरात्रि
- 19 मार्च, दिन बृहस्पतिवार: चैत्र अमावस्या, चैत्र नवरात्रि प्रारंभ
- 22 मार्च, दिन रविवार: वासुदेव चतुर्थी
- 26 मार्च, दिन गुरुवार: राम नवमी
- 29 मार्च, दिन रविवार: कामदा एकादशी
- 30 मार्च, दिन सोमवार: सोम प्रदोष व्रत

कल का राशिफल

मेष राशि : आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। पूरा दिन खुद को तरोताजा महसूस करेंगे। आपके आस–पास सकारात्मक ऊर्जा बनी रहेगी।

वृष राशि : आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आपके व्यापार में रोज की अपेक्षा ज्यादा लाभ होगा। नवविवाहित दंपत्ति के बीच आज मीठी नोक–झोक होगी, इससे रिश्तों में और मिठास आयेगा।

मिथुन राशि : आप में एक नई उमंग और खुशी रहेगी। आप जो भी काम करेंगे वह पूरे मन से करेंगे, इससे नया अनुभव आपको मिलेगा।

कर्क राशि: का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लाने वाला होगा। विद्यार्थियों को सफलता मिलने के योग बने हुए है, लेकिन पढाई में और मेहनत करने की जरूरत है।

सिंह राशि : आपका दिन अच्छा रहेगा। आपको घर के बड़ो से कुछ प्रेरणा मिलोगी। आप जो भी काम करेंगे, वो सफल होगा।

कन्या राशि : दिन आपके लिए मिला–जुला रहने वाला है। काम व पारिवारिक रिश्तों के बीच सामंजस्य बनाये रखेंगे।

तुला राशि : दिन फेवरेबल रहने वाला है। व्यापार में रुकी हुई योजनाओं को शुरू करने से आपकी व्यस्तता बढ़ी रहेगी।

वृश्चिक राशि : दिन आपके लिए ठीक–ठाक रहने वाला है। बेवजह की उलझन से दूर होकर आप किसी मंदिर या धार्मिक स्थल पर अपना समय बिताएंगे।

धनु राशि : दिन खुशियों का नया रास्ता दिखायेगा। किसी पार्क में परिवार वालों के साथ घूमने का प्लान कैंसिल होने की सम्भावना है। पारिवारिक सुख सुविधा का लाभ मिलेगा।

मकर राशि : आपका दिन बहुत बढ़िया रहेगा, मन खुश रहेगा। आपको सब्र रखना होगा। ऑटोमोबाइल के व्यापार में आपको लाभ मिलेगा।

कुंभ राशि : दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आप किसी व्यक्ति की मदद करेंगे जिससे पूरा दिन आपके अंदर पाजिटीविटी बनी रहेगी।

मीन राशि : दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आप माता को कुछ गिफ्ट दे सकते है आपकी माता को खुशी होगी। आपका रुका हुआ काम पूरा होगा।

कान्हा और कुम्हार की प्रेममयी कथा

यूनिक समय, मथुरा। ब्रज की पावन भूमि पर बाल लीलाओं के लिए विख्यात कान्हा की अनेक अद्भुत कथाएँ प्रचलित हैं। वे गोपियों की मटकी फोड़ते, माखन चुराते और फिर भोलेपन से मुस्कुराते। गोपियाँ शिकायत लेकर मैया के पास पहुँचतीं और मैया कभी समझातीं, तो कभी डांटतीं। ऐसी ही एक रोचक घटना भक्त और भगवान के मधुर संबंध को दर्शाती है।

एक दिन बार-बार की शिकायतों से तंग आकर मैया यशोदा ने छड़ी उठा ली और कान्हा को पकड़ने के लिए दौड़ीं। बालक कान्हा यह देखकर भाग निकले। दौड़ते-दौड़ते वे एक कुम्हार की झोपड़ी में पहुँचे, जो मिट्टी के घड़े बना रहा था। कुम्हार ने जैसे ही बालक के रूप में स्वयं भगवान को देखा, उसका हृदय आनंद से भर गया। कान्हा ने हाँफते हुए कहा, "कुम्हार जी! आज मैया बहुत क्रोधित हैं, मुझे कहीं छिपा लो।"

भक्त कुम्हार ने तुरंत एक बड़े घड़े के नीचे उन्हें छिपा दिया। कुछ ही क्षणों में मैया वहाँ पहुँचीं और पूछा, "अरे कुम्हार! तूने मेरे कन्हैया को देखा है?" कुम्हार ने सहजता से उत्तर दिया, "नहीं मैया, मैंने नहीं देखा।" मैया आगे बढ़ गईं। अब घड़े के नीचे से कान्हा बोले, "कुम्हार जी, मैया चली गई हों तो मुझे बाहर निकालो।" कुम्हार मुस्कुराया और बोला, "प्रभु! पहले मुझे चौरासी लाख योनियों के बंधन से मुक्त करने का वचन दीजिए।" भगवान ने प्रेम से वचन दे दिया। कुम्हार ने फिर कहा, "मेरे परिवार को भी मुक्त कीजिए।" प्रभु ने यह भी स्वीकार किया। इसके बाद कुम्हार ने विनती की, "जिस मिट्टी से यह घड़ा बना है, उसे मेरे बैल ढोकर लाए हैं। उन्हें भी मुक्ति दीजिए।" भगवान ने प्रसन्न होकर बैलों को भी मुक्ति का वरदान दिया। अंत में कुम्हार ने कहा, "प्रभु! जो भी हमारे इस संवाद को सुने, उसे भी चौरासी के बंधन से मुक्त कर दीजिए।" बाल गोपाल कुम्हार के निष्कपट प्रेम से अभिभूत हो उठे और यह वरदान भी दे दिया। तब कुम्हार ने उन्हें बाहर निकाला, चरणों में प्रणाम किया, चरणामृत लिया और अपनी झोपड़ी में उसका छिड़काव किया। प्रेम और भक्ति से भरा उसका हृदय प्रभु में लीन हो गया। यह कथा सिखाती है कि प्रभु को पाने के लिए केवल यज्ञ, दान या अनुष्ठान पर्याप्त नहीं। सच्चा प्रेम, करुणा और निष्काम भक्ति ही भगवान को प्रसन्न करती है। जो गोवर्धन पर्वत उठा सकते हैं, वे घड़ा भी उठा सकते थे, परंतु वे प्रेम से बंधना चाहते थे। सच है-बिना प्रेम रीझे नहीं नटवर नंद किशोर।

वृन्दावन की महाशिवरात्रि: जहां शिव गोपी बनकर कृष्ण की लीला में खो जाते हैं

यूनिक समय, मथुरा। ब्रज भूमि की पवित्र धरती मथुरा, जो मुख्य रूप से भगवान कृष्ण की जन्मभूमि के रूप में जानी जाती है, आज महाशिवरात्रि के पर्व पर एक अनोखे रंग में रंगी नजर आ रही है। यहां शिव और कृष्ण की भक्ति का संगम ऐसा है कि शिव को कृष्ण के अनन्य रक्षक और भक्त के रूप में पूजा जाता है। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, महाशिवरात्रि की इस रात शिव की पूजा से कृष्ण भक्ति की पूर्णता प्राप्त होती है, जो ब्रजवासियों के लिए एक गहन आध्यात्मिक अनुभव है। इस वर्ष, मथुरा–वृंदावन के मंदिरों में विशेष रूप से 'शिव–कृष्ण मिलन उत्सव' का आयोजन किया गया, जहां शिव की गोपी रूप वाली लीला को नाट्य रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है, एक ऐसा अनोखा आयोजन जो पहले कभी स्थानीय स्तर पर नहीं देखा गया। यह समाचार ब्रज की इस अनूठी परंपरा को उजागर करता है, जो पर्यटकों और श्रद्धालुओं को एक नई दृष्टि प्रदान करता है। स्थानीय मान्यताओं में मथुरा की महाशिवरात्रि का विशेष स्थान है। ब्रजवासी मानते हैं कि शिव महादेव स्वयं कृष्ण की रक्षा के लिए यहां निवास करते हैं। एक प्राचीन कथा के अनुसार, भगवान शिव ने गोपी का रूप धारण कर कृष्ण की रासलीला में भाग लिया था, ताकि वे भी उस दिव्य आनंद का हिस्सा बन सकें। यह मान्यता गोपेश्वर महादेव मंदिर में जीवंत हो उठती है, जहां शिव को गोपी वेश में सजाया जाता है। स्थानीय निवासी बताते हैं कि इस रात व्रत रखने और शिवलिंग पर दूध, शहद व बेलपत्र चढ़ाने से न केवल पापों का नाश होता है, बल्कि कृष्ण की कृपा भी प्राप्त होती है। यह द्वैत भक्ति की अनोखी अवधारणा है, जो मथुरा को अन्य शिव स्थलों से अलग करती है। यहां की महिलाएं विशेष रूप से 'शिव–पार्वती विवाह' की कथा सुनाती हैं, जो पारिवारिक सौहार्द और वैवाहिक सुख की कामना से जुड़ी होती है। धार्मिक दृष्टि से, महाशिवरात्रि ब्रज में शिव की तांडव नृत्य और पार्वती से विवाह की स्मृति है, लेकिन यहां इसे कृष्ण भक्ति से जोड़कर देखा जाता है। फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी पर पड़ने वाला यह पर्व रात भर के जागरण से मनाया जाता है। निशिता काल (रात 12:09 से 1:01 बजे तक) में रुद्राभिषेक और मंत्र जाप से वातावरण गुंजायमान रहता है। भूतेश्वर महादेव मंदिर, जो मथुरा के चार दिक्पालों में से एक है और जहां सती माता की अंगूठी गिरी थी, यहां की पूजा से शहर की रक्षा की मान्यता है। इसी तरह, वृंदावन के गोपेश्वर महादेव में शिव को गोपी रूप में दर्शन देने की परंपरा धार्मिक एकता का प्रतीक है। यह स्थल बताते हैं कि शिव और विष्णु (कृष्ण) एक ही हैं- शिव कृष्ण के भक्त हैं और कृष्ण शिव के। इस विचारधारा से प्रेरित होकर, इस वर्ष स्थानीय पुजारियों ने एक विशेष 'भक्ति संवाद' कार्यक्रम शुरू किया, जहां शिव और कृष्ण की कथाओं को मिश्रित कर सुनाया जा रहा है, जो श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक ऊर्जा प्रदान करता है।

पर्यटन की दृष्टि से, महाशिवरात्रि मथुरा को एक जीवंत केंद्र बना देती है। दिल्ली से मात्र 150 किमी दूर होने के कारण, हजारों पर्यटक यहां पहुंचते हैं। यमुना नदी के घाटों पर स्नान, मंदिर दर्शन और स्थानीय मेले पर्यटन को बढ़ावा देते हैं। गोवर्धन परिक्रमा और वृंदावन के रास स्थलों के साथ शिव मंदिरों का संयोजन एक अनोखा पर्यटन पैकेज बनाता है।

सम्पादकीय

मिनिमम बैलेंस या मैक्सिमम वसूली?

भारतीय बैंकिंग प्रणाली पर लोकसभा की याचिका समिति की हालिया रिपोर्ट ने एक असहज सच सामने रखा है। बचत खातों में न्यूनतम शेष राशि (मिनिमम बैलेंस) न रखने पर बैंकों द्वारा आम ग्राहकों से हजारों करोड़ रुपये की वसूली केवल आंकड़ा भर नहीं, बल्कि बैंकिंग व्यवस्था की प्राथमिकताओं पर गंभीर प्रश्नचिह्न है।

पिछले पांच वर्षों में 11 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि दंडात्मक शुल्क के रूप में वसूली गई-यह उस वर्ग से लिया गया धन है, जो पहले से ही आर्थिक दबाव से जूझ रहा है।

पवन गौतम
संपादक

विडंबना यह है कि जिन लोगों को वित्तीय समावेशन के नाम पर बैंकिंग तंत्र से जोड़ा गया, उन्हीं पर न्यूनतम शेष न रख पाने का दंड थोपा गया। कई मामलों में यह कटौती 'हिडन चार्जेज' के रूप में हुई, जिसकी जानकारी ग्राहकों को तब मिली जब उनके खाते से रकम कट चुकी थी।

डिजिटल युग में पारदर्शिता बैंकिंग का मूल सिद्धांत होना चाहिए, लेकिन यदि शुल्क संरचना ही अस्पष्ट हो, तो यह उपभोक्ता के विश्वास को कमजोर करता है। वित्तीय वर्ष 2024–25 में ही हजारों करोड़ रुपये की वसूली यह संकेत देती है कि बैंकों के मुनाफे का एक हिस्सा सेवाओं के बजाय दंड से अर्जित हो रहा है। खासकर निजी बैंकों का यह तर्क कि पुराने रेकॉर्ड उपलब्ध नहीं हैं, जवाबदेही से बचने का प्रयास प्रतीत होता है। बैंक और ग्राहक का संबंध भरोसे पर टिका होता है, भय पर नहीं। लोकसभा समिति द्वारा दंडात्मक शुल्क समाप्त करने की सिफारिश स्वागत योग्य है। सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि बैंकिंग व्यवस्था उपभोक्ता-हितैषी, पारदर्शी और जवाबदेह बने। बैंकिंग की सफलता का पैमाना दंड से अर्जित राजस्व नहीं, बल्कि नागरिकों का आर्थिक सशक्तीकरण होना चाहिए। यदि कोई ग्राहक न्यूनतम राशि नहीं रख पा रहा, तो समाधान दंड नहीं, मार्गदर्शन और लचीली सेवाएं होनी चाहिए। यही सच्ची 'सेवा' होगी।

नजरिया

आत्महत्या की बढ़ती घटनाएं: रोकथाम के लिए संवेदनशील और कारगर तंत्र की जरूरत

– सुधीर वाजपेयी

जब किसी व्यक्ति को जीवन से अधिक मृत्यु आसान लगने लगे, तो यह केवल उसकी व्यक्तिगत विफलता नहीं होती, बल्कि समाज, व्यवस्था और संवादहीनता की सामूहिक विफलता का संकेत भी होती है। आत्महत्या आज भारत में एक गंभीर सामाजिक और मानसिक स्वास्थ्य संकट के रूप में उभर रही है। तेजी से बदलती जीवनशैली, आर्थिक असुरक्षा, बढ़ती प्रतिस्पर्धा, पारिवारिक विघटन और सामाजिक अपेक्षाओं का दबाव कई लोगों को भीतर से तोड़ रहा है। स्थिति तब और भयावह हो जाती है जब व्यक्तिगत घटनाएं सामूहिक आत्महत्या के रूप में सामने आती हैं।

हाल ही में उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले के एक गांव में एक ही परिवार के पांच सदस्यों द्वारा सामूहिक आत्महत्या की घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया। ऐसी घटनाएं केवल समाचार नहीं होतीं; वे उस मौन पीड़ा की कहानी होती हैं, जिसे हम समय रहते सुन नहीं पाते। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़े बताते हैं कि भारत में हर चार मिनट से भी कम समय में कोई न कोई व्यक्ति आत्महत्या कर लेता है। यह संख्या केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि हर दिन सैकड़ों परिवारों के उजड़ने की त्रासदी है।

आत्महत्या के कारण जटिल और बहुआयामी होते हैं। मानसिक अवसाद, आर्थिक संकट, बेरोजगारी, परीक्षा में असफलता, पारिवारिक कलह, सामाजिक अपमान, प्रेम संबंधों में विफलता, और भविष्य को लेकर अनिश्चितता–ये सभी कारक व्यक्ति को निराशा की गहरी खाई में धकेल सकते हैं। दिहाड़ी मजदूरों और किसानों की आत्महत्याएं आर्थिक असुरक्षा और कर्ज के बोझ की ओर संकेत करती हैं, जबकि छात्रों और युवाओं की आत्महत्याएं शिक्षा व्यवस्था और प्रतिस्पर्धा की कठोरता पर सवाल उठाती हैं। मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि कोई भी व्यक्ति अचानक आत्महत्या का निर्णय नहीं लेता। यह एक लंबी मानसिक प्रक्रिया का परिणाम होता है, जिसमें व्यक्ति धीरे–धीरे उम्मीद खोता जाता है। वह तब तक जीवन से संघर्ष करता है, जब तक उसे लगता है कि अंधेरी रात के बाद सुबह आएगी। जब यह विश्वास टूट जाता है और उसे लगता है कि अब कोई रास्ता शेष नहीं है, तभी वह ऐसा कठोर कदम उठाता है। इस विश्वास को बनाए रखने में परिवार, मित्र, पड़ोसी और समाज की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। आंकड़ों के अनुसार आत्महत्या करने वालों में लगभग 67 प्रतिशत लोग 18 से 45 वर्ष की आयु के बीच के होते हैं। यह वही आयु वर्ग है, जो देश की कार्यशील और उत्पादक आबादी का प्रतिनिधित्व करता है। इनमें पढ़े–लिखे

लोगों की संख्या भी कम नहीं है। इसका अर्थ है कि समस्या केवल अशिक्षा या अज्ञानता की नहीं, बल्कि मानसिक दबाव और भावनात्मक असंतुलन की भी है। परीक्षाओं में असफल छात्र, नौकरी की तलाश में भटकते युवा, पारिवारिक जिम्मेदारियों से दबे पुरुष और महिलाएं, और कठिन परिस्थितियों में काम करने वाले सैन्य व अर्धसैनिक बलों के जवान-ये सभी उच्च जोखिम वाले समूहों में शामिल हैं।

वर्तमान सामाजिक ताने-बाने पर नजर डालें तो एक विडंबना स्पष्ट दिखाई देती है। हत्या और अन्य अपराधों को रोकने के लिए हमारे पास पुलिस, न्यायालय और जेल जैसी संस्थाएं हैं। अपराधियों को दंडित करने के लिए विस्तृत कानूनी ढांचा मौजूद है। लेकिन आत्महत्या जैसी गंभीर समस्या के लिए कोई सशक्त और समन्वित राष्ट्रीय तंत्र विकसित नहीं हो पाया है। वर्ष में एक दिन 'विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस' मनाकर जागरूकता का संदेश जरूर दिया जाता है, परंतु जमीनी स्तर पर ठोस, सतत और समग्र प्रयासों की कमी स्पष्ट दिखाई देती है। मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता भी एक बड़ी चुनौती है। ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में मनोचिकित्सकों और परामर्शदाताओं की भारी कमी है। महानगरों में भी मानसिक स्वास्थ्य को लेकर सामाजिक कलंक (स्टिग्मा) इतना गहरा है कि लोग खुलकर अपनी समस्याएं साझा करने से हिचकते हैं। कई बार व्यक्ति अपने अवसाद को कमजोरी समझकर दबा देता है, जबकि यह एक चिकित्सीय स्थिति होती है, जिसका उपचार संभव है। सरकारों द्वारा हेल्पलाइन नंबर और जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं, लेकिन इनकी पहुंच और प्रभावशीलता पर गंभीरता से मूल्यांकन की आवश्यकता है। केवल हेल्पलाइन जारी कर देना पर्याप्त नहीं है; जरूरी है कि वहां प्रशिक्षित और संवेदनशील काउंसलर उपलब्ध हों, जो तत्काल भावनात्मक सहारा दे सकें। साथ ही, स्कूलों और कॉलेजों में मानसिक स्वास्थ्य शिक्षा को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाना चाहिए, ताकि बच्चे और युवा अपनी भावनाओं को समझ सकें और आवश्यकता पड़ने पर मदद मांगने में संकोच न करें।

समाज को भी अपनी भूमिका समझनी होगी। परिवारों में संवाद का वातावरण बनाना अत्यंत आवश्यक है। कई बार माता-पिता अनजाने में बच्चों पर अत्यधिक अपेक्षाएं थोप देते हैं, जिससे वे दबाव में आ जाते हैं। इसी तरह, आर्थिक तंगी से जूझ रहे व्यक्तियों को तिरस्कार या उपेक्षा के बजाय सहानुभूति और सहयोग की आवश्यकता होती है। पड़ोस, मित्र मंडली और कार्यस्थल-हर स्तर पर ऐसा माहौल होना चाहिए, जहां व्यक्ति बिना डर के अपनी परेशानी साझा कर सके।

मीडिया की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। आत्महत्या की घटनाओं की रिपोर्टिंग संवेदनशील तरीके से होनी चाहिए, ताकि वह सनसनी न बने और न ही किसी अन्य कमजोर व्यक्ति के लिए प्रेरक कारण बने। विशेषज्ञों का सुझाव है कि आत्महत्या के तरीकों या व्यक्तिगत विवरणों को विस्तार से प्रकाशित करने से बचना चाहिए और इसके बजाय सहायता संसाधनों की जानकारी दी जानी चाहिए।

रोकथाम के लिए बहुस्तरीय रणनीति की आवश्यकता है। सबसे पहले, जोखिम वाले समूहों की पहचान कर लक्षित हस्तक्षेप कार्यक्रम चलाने चाहिए।

दूसरा, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ और सस्ती बनाना होगा। तीसरा, रोजगार, सामाजिक सुरक्षा और आर्थिक सहायता योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करना होगा, ताकि आर्थिक संकट से उपजे तनाव को कम किया जा सके। चौथा, सामुदायिक स्तर पर स्वयंसेवी संगठनों और सामाजिक कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित कर सहायता नेटवर्क विकसित किए जा सकते हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हमें आत्महत्या को केवल व्यक्तिगत कमजोरी या भाग्य का परिणाम मानने की प्रवृत्ति छोड़नी होगी। यह एक सामाजिक, आर्थिक और मनोवैज्ञानिक संकट का संयुक्त परिणाम है। जब हमारे बीच कोई किसान, बेरोजगार युवा, महिला, पुरुष या किशोर इस हद तक निराश हो जाता है कि उसे जीवन से अधिक मृत्यु सरल लगने लगे, तो यह पूरे समाज के लिए चेतावनी है। आत्महत्या एक गहरे टूटे हुए मन की पुकार है–एक ऐसी पुकार, जिसे अक्सर हम सुन नहीं पाते या सुनकर भी अनसुना कर देते हैं। जरूरत इस बात की है कि हम संवेदनशील समाज का निर्माण करें, जहां हर व्यक्ति को यह विश्वास हो कि उसकी बात सुनी जाएगी, उसकी समस्या को समझा जाएगा और उसे सहयोग मिलेगा।

विचार विण्डो

जब एआई बनेगा हीरो: क्या बदलेगा बॉलीवुड का भविष्य?

– राघवेंद्र कुमार

एआई तकनीक ने दुनिया के हर क्षेत्र की तरह सिनेमा को भी गहराई से प्रभावित करना शुरू कर दिया है। खासकर बॉलीवुड जैसे विशाल और प्रभावशाली उद्योग में इसका असर तेजी से दिखाई दे रहा है। कभी फिल्म निर्माण एक लंबी, महंगी और जटिल प्रक्रिया हुआ करती थी, जिसमें सैकड़ों लोगों की मेहनत शामिल होती थी। आज वही काम एक लैपटॉप और कुछ उन्नत सॉफ्टवेयर की मदद से संभव होता दिख रहा है। सवाल यह है कि क्या एआई सिनेमा का भविष्य है, या फिर यह केवल एक सहायक उपकरण बनकर रह जाएगा?

हाल के वर्षों में एआई ने फिल्म निर्माण की परिभाषा बदल दी है। अब वर्चुअल अभिनेता तैयार किए जा सकते हैं, किसी भी प्रसिद्ध गायक की शैली में गीत कंपोज किए जा सकते हैं और भव्य सेट कंप्यूटर ग्राफिक्स के जरिए बेहद कम लागत में बनाए जा सकते हैं। प्रयोगधर्मी फिल्मकारों ने यह साबित भी किया है कि केवल एक विचार और गीत के बोल देकर पूरी फिल्म तैयार की जा सकती है। आवाज, संगीत, लोकेशन, चेहरे-सब कुछ कृत्रिम बुद्धिमत्ता की सहायता से संभव है।

भारत में एआई आधारित सिनेमा की चर्चा तब और तेज हुई जब देश की पहली एआई जनरेटेड फीचर फिल्म 'नाइसा' निर्देशक विवेक अंचलिया के निर्देशन में तैयार हुई। यह घटना केवल तकनीकी उपलब्धि नहीं थी, बल्कि इसने पूरी इंडस्ट्री को सोचने पर मजबूर कर दिया। अगर फिल्म निर्माण का अधिकांश काम मशीनें करने लगें, तो उन लाखों लोगों का क्या होगा जो इस उद्योग से जुड़े हैं-कलाकार, तकनीशियन, मेकअप आर्टिस्ट, सेट डिजाइनर, स्पॉटबॉय और अन्य कर्मचारी? एआई के समर्थकों का मानना है

कि यह तकनीक युवा और स्वतंत्र फिल्मकारों के लिए वरदान साबित हो सकती है। जो लोग बड़े शहरों में जाकर फिल्म बनाने का खर्च नहीं उठा सकते, वे अब अपने गांव या छोटे शहर से ही अपनी कहानी को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत कर सकते हैं।

धार्मिक और ऐतिहासिक फिल्मों के लिए महंगे सेट और वेशभूषा की आवश्यकता होती है, जिन्हें एआई की मदद से कम बजट में भव्य रूप दिया जा सकता है। इस दृष्टि से एआई लोकतांत्रिक शक्ति की तरह काम कर रहा है-हर किसी को सृजन का अवसर दे रहा है।

लेकिन हर तकनीक अपने साथ चुनौतियां भी लेकर आती है। सिनेमा केवल दृश्य और ध्वनि का मेल नहीं है यह भावनाओं का माध्यम है। भारतीय दर्शक फिल्मों से भावनात्मक जुड़ाव रखते हैं। जब वे मुकेश या अरिजीत सिंह की आवाज सुनते हैं, या अक्षय कुमार जैसे सितारों को परदे पर देखते हैं, तो उनके साथ एक गहरा भावनात्मक रिश्ता महसूस करते हैं। दक्षिण भारत में तो अपने पसंदीदा सितारों के प्रति प्रशंसकों का समर्पण अद्भुत होता है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या एआई द्वारा निर्मित चेहरों और आवाजों से वही भावनात्मक जुड़ाव संभव है?

एक और चिंता मौलिकता की है। एआई अपने प्रशिक्षण डेटा पर निर्भर करती है।

वह पहले से मौजूद शैलियों और पैटर्न को मिलाकर नया रूप देती है।

लेकिन क्या वह सृजनात्मक जोखिम उठा सकती है? क्या वह किसी कलाकार की व्यक्तिगत पीड़ा, संघर्ष और अनुभवों को उसी गहराई से अभिव्यक्त कर सकती है? सिनेमा में जो 'आत्मा' होती है, वह केवल तकनीक से नहीं आती, बल्कि मानवीय अनुभव से जन्म लेती है। कॉपिराइट और नैतिकता के प्रश्न भी महत्वपूर्ण हैं। यदि एआई किसी प्रसिद्ध कलाकार की आवाज या चेहरे का उपयोग करती है, तो उसकी अनुमति और अधिकारों का क्या होगा? क्या भविष्य में कलाकारों को अपने डिजिटल अवतार के अधिकार सुरक्षित रखने होंगे? इन सवालों के स्पष्ट उत्तर अभी विकसित हो रहे हैं, लेकिन यह तय है कि कानून और नैतिक मानदंडों को नई परिस्थितियों के अनुसार ढालना पड़ेगा। इसके बावजूद, यह भी सच है कि सिनेमा का इतिहास तकनीकी बदलावों से भरा रहा है।

मूक फिल्मों से बोलती फिल्मों तक, ब्लैक एंड व्हाइट से रंगीन फिल्मों तक, और अब डिजिटल युग तक-हर परिवर्तन के साथ आशंकाएं भी थीं। लेकिन सिनेमा ने हर बार खुद को नए रूप में ढाला है। एआई भी उसी क्रम की अगली कड़ी हो सकती है। भविष्य की संभावना शायद संतुलन में है। एआई फिल्म निर्माण की प्रक्रिया को सरल और सुलभ बनाएगी, लेकिन मानवीय रचनात्मकता उसका केंद्र बनी रहेगी।

भारत बनाम पाकिस्तान : गेंदबाज के लिए सूर्या का मास्टरप्लान

नेट्स में ही खोज लिया उस्मान तारिक का तोड़!

यूनिक समय, नई दिल्ली। आईसीसी मेन्स टी 20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत बनाम पाकिस्तान महामुकाबले से पहले टीम इंडिया ने खास रणनीति अपनाई है। मुकाबले से पहले अभ्यास सत्र में भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव खुद गेंदबाजी करते नजर आए और उन्होंने पाकिस्तान के स्पिनर उस्मान तारिक के अनोखे एक्शन की नकल कर बल्लेबाजों को प्रैक्टिस कराई।

नेट्स में सूर्यकुमार ने गेंद छोड़ने से पहले वही सिग्नेचर पॉज और साइडआर्म एंगल अपनाया, जिसकी वजह से तारिक इन दिनों चर्चा में हैं। सोशल मीडिया पर इसका वीडियो भी सामने आया है, जिसमें साफ दिख रहा है कि भारतीय बल्लेबाजों को उसी अंदाज में गेंदें फेंकी जा रही हैं, जैसा पाकिस्तान के स्पिनर मैच में करते हैं। टीम प्रबंधन का मकसद साफ है–मैच से पहले बल्लेबाजों को उस अलग तरह की गेंदबाजी के लिए पूरी तरह तैयार करना। उस्मान तारिक का बॉलिंग स्टाइल पारंपरिक स्पिनरों से अलग है। गेंद रिलीज करने से पहले उनका हल्का ठहराव और देरी से डिलीवरी देना बल्लेबाजों की टाइमिंग बिगाड़ सकता है। उनके एक्शन पर पहले सवाल भी उठे थे, लेकिन जांच के बाद उन्हें क्लीन चिट मिल चुकी है। कोहनी से जुड़ी शारीरिक समस्या के कारण उनका एक्शन सामान्य नहीं है, जो अब उनकी खास पहचान बन चुका है।

मैच से पहले सूर्यकुमार ने मजाकिया अंदाज में कहा था कि तारिक का एक्शन "आउट ऑफ सिलेबस" जैसा है, लेकिन अब भारतीय टीम ने उसका जवाब ढूंढने की तैयारी कर ली है। भारत-पाकिस्तान मुकाबला हमेशा दबाव और रोमांच से भरा होता है, ऐसे में विरोधी टीम के सबसे चर्चित गेंदबाज के खिलाफ पहले से रणनीतिक अभ्यास करना टीम इंडिया की गंभीर तैयारी को दर्शाता है। अब देखना होगा कि मैदान पर यह प्लान कितना कारगर साबित होता है।

एसीसी वूमेंस एशिया कप 2026: 41 रन पर पाकिस्तान के छह विकेट गिरे

यूनिक समय, नई दिल्ली। बैंकॉक में खेले जा रहे एसीसी वूमेंस एशिया कप 2026 के अहम मुकाबले में इंडिया ए और पाकिस्तान ए आमने-सामने हैं। पाकिस्तान ए ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया, लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने शुरुआत से ही दबाव बना दिया। नतीजा यह रहा कि पाकिस्तान का टॉप ऑर्डर पूरी तरह लड़खड़ा गया और टीम ने महज 41 रन के स्कोर पर अपने छह विकेट गंवा दिए। भारतीय गेंदबाजों ने सटीक लाइन-लेंथ और आक्रामक रणनीति के दम पर पाकिस्तानी बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। शुरुआती ओवरों में लगातार विकेट गिरने से पाकिस्तान ए की टीम बैकफुट पर आ गई। इंडिया ए के लिए यह मुकाबला बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि टीम को पहले मैच में यूएई के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में वापसी के इरादे से उतरी भारतीय टीम ने शानदार गेंदबाजी कर दमदार शुरुआत की है। वहीं, पाकिस्तान ए ने अपने पहले मुकाबले में जीत दर्ज की थी, लेकिन इस मैच में भारतीय गेंदबाजों के सामने उनकी बल्लेबाजी कमजोर नजर आई। मुकाबला दोनों टीमों के आत्मविश्वास और अंक तालिका के लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है।

इम्तियाज अली की नई पेशकश : 'हीर रांझा' का ऐलान

यूनिक समय, नई दिल्ली। वैलेंटाइन डे के खास मौके पर मशहूर फिल्ममेकर इम्तियाज अली ने अपनी नई फिल्म 'हीर रांझा' की घोषणा कर फैंस को बड़ा सरप्राइज दिया है। रोमांटिक कहानियों को अनोखे अंदाज में पेश करने के लिए पहचाने जाने वाले इम्तियाज अली ने एक बार फिर सदाबहार प्रेम कथा को आधुनिक रूप में दर्शकों तक लाने की तैयारी कर ली है। इस प्रोजेक्ट के लिए उन्होंने निर्माता एकता कपूर के साथ हाथ मिलाया है। इससे पहले दोनों ने 2018 में 'लैला मजनू' पर साथ काम किया था।

फिल्म की घोषणा एक एनिमेशन वीडियो के जरिए की गई, जिसमें लिखा था–"कुछ प्रेम कहानियां कभी खत्म नहीं होतीं।" मेकर्स ने बताया कि फिल्म की शूटिंग जल्द शुरू होगी और इसका निर्देशन साजिद अली करेंगे। हालांकि, अभी तक हीर और रांझा के किरदार निभाने वाले कलाकारों के नाम का खुलासा नहीं किया गया है। अनाउंसमेंट के बाद सोशल मीडिया पर उत्साह देखने को मिला। कई फैंस ने कमेंट कर इच्छा जताई कि 'लैला मजनू' की जोड़ी तृप्ति डिमरी और अविनाश तिवारी को फिर से साथ लिया जाए।

गौरतलब है कि 'लैला मजनू' अपनी शुरुआती रिलीज में बॉक्स ऑफिस पर औसत रही, लेकिन 2024 की री–रिलीज में फिल्म ने 11.50 करोड़ रुपये से ज्यादा का कलेक्शन कर नया रिकॉर्ड बनाया। 'हीर रांझा' सदियों पुरानी प्रेम कथा पर आधारित है, जिसे आज के दौर के दर्शकों के अनुरूप मॉडर्न टच दिया जा सकता है। अब देखना दिलचस्प होगा कि इस क्लासिक प्रेम कहानी को नए अंदाज में कैसे प्रस्तुत किया जाता है और क्या यह फिल्म भी दर्शकों के दिलों पर वही जादू चला पाएगी।

आईसीसी टी 20 वर्ल्ड कप : वेस्टइंडीज का कहर

नेपाल की आधी टीम 50 रन से पहले पवेलियन लौटी

यूनिक समय, नई दिल्ली। आईसीसी टी 20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर संडे की शुरुआत नेपाल और वेस्टइंडीज के मुकाबले से हुई, जहां कैरेबियाई गेंदबाजों ने शुरुआती ओवरों में ही मैच का रुख अपनी ओर मोड़ दिया। टॉस जीतकर वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप ने पहले गेंदबाजी का फैसला किया और उनके गेंदबाजों ने इस निर्णय को सही साबित कर दिखाया।

नेपाल की पारी की शुरुआत बेहद खराब रही। पहले ही ओवर में अकील होसैन ने कुशल भुर्तेल को आउट कर झटका दिया। इसके बाद मैथ्यू फोर्ड और जेसन होल्डर ने मिलकर टॉप ऑर्डर को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। कप्तान रोहित पौडेल महज 5 रन बनाकर एलबीडब्ल्यू आउट हुए, जबकि विकेटकीपर बल्लेबाज आसिफ शेख 11 रन बनाकर पवेलियन लौटे। 17 रन के स्कोर तक नेपाल ने तीन विकेट गंवा दिए थे। 23 रन तक पहुंचते–पहुंचते चौथा झटका भी लग गया, जब आरिफ शेख को होल्डर ने चलता किया। इसके बाद भी हालात नहीं सुधरे और 50 रन का आंकड़ा छूने से पहले ही आधी टीम वापस लौट चुकी थी।

लोकेश बम 13 रन बनाकर शमार जोसेफ की गेंद पर कप्तान शाई होप को कैच दे बैठे। नेपाल की बल्लेबाजी वेस्टइंडीज के अनुशासित और आक्रामक गेंदबाजी आक्रमण के सामने बिखरी नजर आई। तेज गेंदबाजों ने नई गेंद से स्विंग और उछाल का फायदा उठाया, जबकि स्पिनरों ने रन गति पर लगाम कस दी। शुरुआती झटकों के बाद नेपाल के लिए बड़े स्कोर की उम्मीदें लगभग खत्म होती दिखीं। अब देखना होगा कि नेपाल की निचली क्रम की बल्लेबाजी टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचा पाती है या वेस्टइंडीज इस मुकाबले को एकतरफा अंदाज में खत्म करती है।

पिता अलग, मां एक बेमिसाल भाईचारा

शाहिद–ईशान की कूल बॉन्डिंग चर्चा में

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड में भाई–भतीजावाद पर चाहे जितनी बहस हो, लेकिन जब बात शाहिद कपूर और ईशान खट्टर की आती है, तो चर्चा सिर्फ उनकी शानदार बॉन्डिंग की होती है। दोनों हाफ-ब्रदर्स हैं-मां एक, लेकिन पिता अलग। फिर भी इनके रिश्ते में सगे भाइयों से बढ़कर अपनापन नजर आता है।

दोनों की मां नीलिमा अजीम हैं। शाहिद, दिग्गज अभिनेता पंकज कपूर के बेटे हैं, जबकि ईशान के पिता राजेश खट्टर हैं। उम्र में करीब 15 साल का अंतर होने के बावजूद दोनों की केमिस्ट्री किसी बेस्ट फ्रेंड्स जैसी दिखती है। शाहिद ने ईशान को बचपन से बड़ा होते देखा है, इसलिए वह सिर्फ बड़े भाई ही नहीं, बल्कि एक गाइड और मेंटर की भूमिका भी निभाते हैं। ईशान ने अपने करियर की शुरुआत फिल्म 'बियॉन्ड द क्लाउड्स' से की और फिर 'धड़क' में नजर आए। उन्होंने कम समय में यह साबित कर दिया कि वे सिर्फ स्टार किड नहीं, बल्कि टैलेंटेड अभिनेता हैं। शाहिद भी कई इंटरव्यू में कह चुके हैं कि उन्हें अपने छोटे भाई पर गर्व है क्योंकि उसने अपनी पहचान खुद बनाई है। शाहिद की शादी के बाद भी दोनों भाइयों के रिश्ते में कोई दूरी नहीं आई। बल्कि परिवार और भी मजबूत हुआ। मां नीलिमा अजीम आज भी दोनों बेटों के साथ बेहद खास रिश्ता साझा करती हैं। सोशल मीडिया पर इनकी मस्ती, एक-दूसरे की फिल्मों का प्रमोशन और पब्लिक अपीयरेंस में झलकता प्यार फैंस को खूब पसंद आता है। कुल मिलाकर, शाहिद और ईशान की जोड़ी इस बात का सबूत है कि रिश्तों की मजबूती खून के रिश्ते से नहीं, बल्कि परवरिश और प्यार से तय होती है। यही वजह है कि यह 'कूल ब्रदर्स' की जोड़ी आज भी चर्चा में रहती है।

राजपाल यादव को नहीं मिली बेल वायरल वीडियो निकला पुराना

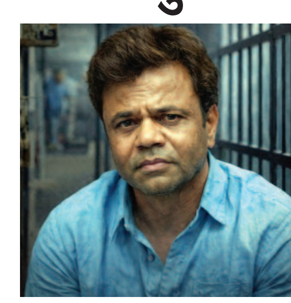

यूनिक समय, नई दिल्ली। चेक बाउंस केस में तिहाड़ जेल में बंद अभिनेता राजपाल यादव को जमानत मिलने का दावा सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। एक वीडियो के साथ कहा जा रहा है कि बेल मिलने के बाद उन्होंने सलमान खान का शुक्रिया अदा किया। हालांकि जांच में यह दावा गलत साबित हुआ है।

वायरल वीडियो में राजपाल यादव सलमान खान की तारीफ करते हुए नजर आ रहे हैं और उन्हें बड़े भाई जैसा बता रहे हैं। लेकिन यह क्लिप हाल की नहीं, बल्कि साल 2018 की है। उस समय सलमान खान को काला हिरण शिकार मामले में जमानत मिली थी और राजपाल यादव उनकी बेल पर प्रतिक्रिया दे रहे थे। इसका उनकी मौजूदा कानूनी स्थिति से कोई संबंध नहीं है। दरअसल, राजपाल यादव की जमानत याचिका पर 12 फरवरी को दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई हुई थी, जहां अदालत ने उन्हें राहत देने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने सख्त टिप्पणी करते हुए पूछा कि जब उन्होंने खुद कर्ज लेने और चुकाने की बात मानी थी तो सजा पर रोक किस आधार पर मांगी जा रही है। अदालत ने यह भी कहा कि उन्हें कई मौके दिए गए, लेकिन समय पर भुगतान नहीं किया गया।

मामले की अगली सुनवाई 16 फरवरी को होगी। तब तक राजपाल यादव तिहाड़ जेल में ही रहेंगे। यह मामला साल 2010 में फिल्म बनाने के लिए लिए गए 5 करोड़ रुपये के कर्ज से जुड़ा है, जो चेक बाउंस होने के बाद कानूनी विवाद में बदल गया।

जेल से सुकेश का दावा: जैकलीन को 30 करोड़ का हेलिकॉप्टर गिफ्ट

वैलेंटाइन पर लिखा इमोशनल लेटर

यूनिक समय, नई दिल्ली। 200 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जेल में बंद सुकेश चंद्रशेखर ने एक बार फिर सुर्खियां बटोरी हैं। दिल्ली की मंडोली जेल से उन्होंने दावा किया है कि उन्होंने एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस को करीब 30 करोड़ रुपये का कस्टमाइज्ड हेलिकॉप्टर गिफ्ट किया है। वैलेंटाइन डे के मौके पर भेजे गए एक हाथ से लिखे पत्र में सुकेश ने अपनी भावनाएं भी जाहिर कीं। पत्र में उन्होंने जैकलीन को "बोट्टा बोम्मा" कहकर संबोधित किया और लिखा कि यह खास तोहफा उनकी "रानी जैसी शख्सियत" के लिए है। सुकेश के अनुसार, हेलिकॉप्टर एयरबस एच-सीरीज का कस्टम मॉडल है, जिसके इंटीरियर में जैकलीन के नाम के शुरुआती अक्षर 'खा' डिजाइन किए गए हैं। सुकेश ने यह भी दावा किया कि इससे पहले भी वे जैकलीन को यॉट और जेट जैसे महंगे तोहफे दे चुके हैं। अपने पत्र में उन्होंने दूरी का जिक्र करते हुए लिखा कि जेल की दीवारों के बीच रहते हुए भी वे उन्हें बहुत मिस कर रहे हैं। हालांकि, इन दावों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

युवक की गोली मारकर हत्या शादी से पहले छाया मातम

यूनिक समय, झांसी। जिले के रक्सा थाना क्षेत्र के नयाकुआं गांव में पुरानी रंजिश के चलते एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक अंशुल राजपूत की 10 मार्च को शादी तय थी और घर में जोर-शोर से तैयारियां चल रही थीं। अचानक हुई इस वारदात से खुशियां मातम में बदल गईं।

जानकारी के अनुसार अंशुल रोज की तरह खेत पर पानी लगाने गया था।

10 मार्च को तय थी युवक की शादी, घर में तैयारियां चल रही थीं

देर शाम उसकी मां जब चारा लेने खेत पहुंचीं तो वह खून से लथपथ पड़ा मिला। परिजनों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस उसे मेडिकल कॉलेज ले गई, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। गोली उसकी कनपटी में लगी थी। घटना की सूचना मिलते ही एसएसपी बीबीजीटीएस मूर्ति सहित पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। परिजनों की तहरीर पर तीन आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। मृतक के चाचा सतीश के अनुसार गांव के कुछ लोगों से पुरानी रंजिश चल रही थी और अंशुल को एक मामले में गवाही होनी थी। आरोप है कि इसी रंजिश के चलते उसकी हत्या की गई। बताया जा रहा है कि अंशुल पर भी एक हत्या का मुकदमा चल रहा था और वह करीब एक साल पहले पेरोल पर जेल से बाहर आया था। पुलिस मामले की गहन जांच में जुटी है। घटना के बाद गांव में दहशत और परिवार में गहरा शोक व्याप्त है।

कौशांबी में चार किलो गांजे के साथ युवक गिरफ्तार

यूनिक समय, गाजियाबाद। कौशांबी थाना पुलिस ने चार किलो गांजे के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान गोलू के रूप में हुई है, जो दिल्ली के गाजीपुर क्षेत्र का रहने वाला बताया गया है। पुलिस ने उसे चेकिंग अभियान के दौरान पकड़ा।

एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव के अनुसार तलाशी लेने पर आरोपी के पास से भारी मात्रा में गांजा बरामद हुआ। पूछताछ में गोलू ने बताया कि वह मूल रूप से बिहार का रहने वाला है और पहले ट्रेवल एजेंट के रूप में काम करता था। कुछ समय पहले उसकी मुलाकात श्रवण नाम के युवक से हुई, जिसने छत्तीसगढ़ से गांजा तस्करी कर अधिक कमाई का लालच दिया। आरोपी सात फरवरी को छत्तीसगढ़ गया और वहां से गांजा लेकर आया था।

बसपा-कांग्रेस के बाद सपा में शामिल हुए नसीमुद्दीन सिद्दीकी, कई दिग्गज नेता भी जुड़े

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश की सियासत में विधानसभा चुनाव से पहले हलचल तेज हो गई है। कभी नसीमुद्दीन सिद्दीकी बसपा के कद्दावर नेता रहे और बाद में कांग्रेस का दामन थामने वाले सिद्दीकी अब समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए हैं। वह मायावती सरकार में चार बार मंत्री रह चुके हैं और लंबे समय तक बसपा का बड़ा मुस्लिम चेहरा माने जाते थे।

24 जनवरी को कांग्रेस से इस्तीफा देने के बाद उनके सपा में आने की अटकलें तेज थीं। बताया जाता है कि राहुल गांधी के लखनऊ दौरे के दौरान एयरपोर्ट पर उन्हें प्रवेश न मिलने से वे नाराज थे। सिद्दीकी के साथ अपना दल (सोनेलाल) के पूर्व विधायक

राजकुमार पाल, अनीस अहमद उर्फ फूल बाबू, पूर्व विधायक दीनानाथ कुशवाहा और डॉ. दानिश खान भी सपा में शामिल हुए। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की मौजूदगी में उनकी औपचारिक एंट्री हुई। उनके साथ तीन महिला नेत्रियों समेत कई अन्य नेताओं ने भी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। पहले से ही उनके सपा में आने की अटकलें थीं, जिन पर आज आधिकारिक मुहर लग गई।

योगी आदित्यनाथ का जनता दर्शन: 150 लोगों की सुनी समस्याएं

बोले हर पीड़ित को मिलेगा न्याय

यूनिक समय, गोरखपुर। गोरखपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर में आयोजित जनता दर्शन में करीब 150 लोगों की समस्याएं सुनीं। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित कार्यक्रम में सीएम स्वयं कुर्सियों पर बैठे लोगों तक पहुंचे और एक-एक कर उनकी फरियाद सुनी।

मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया, "चिंता मत करें, हर समस्या का समाधान होगा, सबकी भरपूर मदद की जाएगी।" उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी प्रार्थना पत्रों का त्वरित, निष्पक्ष और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। इलाज के लिए आर्थिक सहायता मांगने आए लोगों को भरोसा दिलाया गया कि धन की कमी इलाज में बाधा नहीं बनेगी।

उन्होंने अस्पताल के इस्टीमेट शीघ्र शासन को भेजने और पात्र लोगों के आयुष्मान कार्ड बनवाने के निर्देश भी दिए। महाशिवरात्रि के अवसर पर धार्मिक व्यस्तता के बावजूद सीएम ने जनसेवा जारी रखी।

पीलीभीत में 'करोड़पति' कर्मचारी पर एफआईआर, संपत्ति जांच के आदेश

यूनिक समय, पीलीभीत। में जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) कार्यालय से जुड़े चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी इल्हाम शम्सी और उसकी पत्नी अर्शी खातून के खिलाफ सरकारी धन के गबन का मामला दर्ज किया गया है। आरोप है कि वर्ष 2024 से अब तक 98 ट्रांजेक्शन के जरिए करीब 1.01 करोड़ रुपये निजी खातों में ट्रांसफर किए गए।

मामला सामने आने के बाद जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह के निर्देश पर एफआईआर दर्ज कराई गई और कर्मचारी को निलंबित कर दिया गया। जांच में सामने आया कि तीन दिसंबर

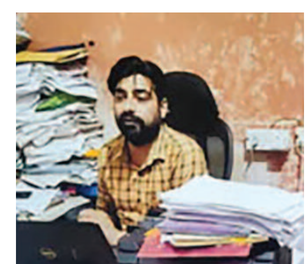

2025 को ही 21 एनईएफटी के जरिए 24.27 लाख रुपये बैंक ऑफ बड़ौदा के खाते में भेजे गए। कोषागार रिकॉर्ड में भी डीआईओएस कार्यालय से संबंधित लेनदेन की पुष्टि हुई है। इल्हाम शम्सी वर्ष 2015 से कार्यालय से संबद्ध था और वेतन, बिल, टोकन व अन्य वित्तीय कार्य देखता था। आरोप है कि उसने फर्जी तरीके से भुगतान स्वीकृत कराकर अधिकारियों को अंधेरे में रखकर रकम ट्रांसफर की। प्रशासन ने आरोपी दंपती की चल-अचल संपत्तियों की जांच के आदेश दिए हैं। बताया जा रहा है कि कर्मचारी का रहन-सहन काफी आलीशान था और वह लग्जरी कारों व महंगे मोबाइल का शौकीन था। मामले में अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं। डीएम ने स्पष्ट किया है कि जांच में दोषी पाए जाने वालों पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

शाहजहांपुर में रेलवे लाइन किनारे प्रॉपर्टी डीलर का शव मिला

यूनिक समय, शाहजहांपुर। खुदागंज थाना क्षेत्र के गांव पहाड़ीपुर भूपत निवासी 30 वर्षीय प्रॉपर्टी डीलर कुलवंत गंगवार का शव रविवार सुबह मीरानपुर कटरा के पौकी गांव के सामने रेलवे लाइन किनारे पड़ा मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी।

परिजनों के अनुसार कुलवंत शनिवार रात घर आए थे और खाना खाने के बाद करीब दस बजे बाइक से रेलवे लाइन किनारे स्थित अपनी प्लॉट साइट पर गए थे। उनका शव डाउन लाइन पर मिला, सिर से खून बह रहा था और बायां पैर टूटा था।

स्टेशन अधीक्षक मोहम्मद हनीफ की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। थाना प्रभारी अवधेश सेंगर ने बताया कि प्रथम दृष्टया ट्रेन की चपेट में आने से मौत की आशंका है। घटना से परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

दरोगा के घर 40 लाख की चोरी सीसीटीवी में कैद नकाबपोश

यूनिक समय, आगरा। ट्रांसयमुना फेस-2 स्थित डी-ब्लॉक में किराए पर रह रहे दरोगा रॉबिन सिंह के घर चोर ने ताला तोड़कर करीब 40 लाख रुपये की चोरी कर ली। घटना रविवार तड़के की है। दरोगा ड्यूटी पर थे और उनकी पत्नी मायके गई हुई थीं।

नकाबपोश चोर ने सरिये से मुख्य गेट का ताला तोड़ा, पहले सीसीटीवी कैमरे बंद किए और फिर अलमारी से 100 ग्राम से

मामले की जांच के लिए टीमें गठित : एसीपी छत्ता

अधिक सोना, दो किलो से ज्यादा चांदी के जेवर और 20 हजार रुपये नकद ले गया। मकान मालिक के बेटे सूरज ने सुबह ताले टूटे देख दरोगा को सूचना दी। एसीपी छत्ता शेषमणि उपाध्याय ने बताया कि मामले की जांच के लिए टीमें गठित कर दी गई हैं और जल्द खुलासा किया जाएगा।

मेरठ में बनेगा देश का पहला ड्रोन रनवे, 406 करोड़ की परियोजना से बढ़ेगी सैन्य ताकत

यूनिक समय, मेरठ। मेरठ में देश का पहला समर्पित मानव रहित विमान (यूएवी) और ड्रोन रनवे बनाने की तैयारी शुरू हो गई है। सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) ने 406 करोड़ रुपये की लागत वाली इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए टेंडर जारी कर दिया है। किला रोड पर लगभग 900 एकड़ क्षेत्र में बनने वाला यह रनवे सुरक्षा, निगरानी और आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में नई संभावनाएं खोलेगा। दिल्ली के नजदीक होने के कारण मेरठ का चयन रणनीतिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। परियोजना का निर्माण कार्य बीआरओ की देखरेख में होगा और इसे पूरा होने में करीब सात वर्ष लग सकते हैं। प्रस्तावित रनवे की लंबाई 2110 मीटर और चौड़ाई 45 मीटर होगी। यहां से ड्रोन, रिमोटली पायलटेड एयरक्राफ्ट और विशेष परिवहन विमानों का संचालन किया जा सकेगा। साथ ही ड्रोन संचालन और प्रशिक्षण की आधुनिक सुविधाएं भी विकसित की जाएंगी। विशेषज्ञों के अनुसार आधुनिक युद्ध में ड्रोन और मानव रहित विमान अहम भूमिका निभा रहे हैं। निगरानी,

सटीक हमले और खुफिया जानकारी जुटाने में इनका उपयोग तेजी से बढ़ा है। ऐसे में समर्पित ड्रोन रनवे भारतीय सेना की हवाई क्षमता को नई मजबूती देगा। युद्ध की स्थिति में यह केंद्र त्वरित तैनाती और निगरानी का प्रमुख हब बन सकता है। सिर्फ सैन्य जरूरतों तक ही इसकी भूमिका सीमित नहीं रहेगी। प्राकृतिक आपदाओं, बाढ़, भूकंप या अन्य संकट की स्थिति में राहत और बचाव कार्यों के लिए भी ड्रोन रनवे कारगर साबित होगा। दूरदराज क्षेत्रों में दवाइयां, खाद्य सामग्री और जरूरी उपकरण तेजी से पहुंचाए जा सकेंगे। सरकार की इस पहल को देश की सुरक्षा रणनीति में बड़ा कदम माना जा रहा है। मेरठ में बनने वाला यह ड्रोन रनवे भविष्य की रक्षा आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए तैयार किया जा रहा है, जो भारत की सामरिक तैयारियों को नई दिशा देगा।

काशी विश्वनाथ धाम में महाशिवरात्रि पर उमड़ा जनसैलाब

लाखों श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

यूनिक समय, वाराणसी। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर वाराणसी स्थित काशी विश्वनाथ धाम में रविवार की सुबह से ही श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। मंगला आरती के बाद दर्शन का सिलसिला शुरू हुआ और सुबह 9 बजे तक करीब चार लाख भक्त बाबा विश्वनाथ के दर्शन कर चुके थे। मंदिर के सभी प्रवेश द्वारों पर चार किलोमीटर से अधिक लंबी कतारें देखी गईं।

मंदिर प्रशासन के अनुसार सुबह 6:40 बजे तक 1.60 लाख श्रद्धालु दर्शन कर चुके थे, जबकि 7 बजे के बाद संख्या दो लाख पार कर गई। एक घंटे में 30 से 40 हजार भक्तों ने दर्शन किए। महाशिवरात्रि के

मद्देनजर 45 घंटे तक स्पर्श दर्शन पर रोक लगाई गई है। शनिवार रात से ही भक्तों की कतार लगनी शुरू हो गई थी। देशभर से आए श्रद्धालु मंदिर परिसर के बाहर बैरिकेडिंग में रातभर डटे रहे। गंगा घाटों पर भी आस्था का सैलाब उमड़ा और हजारों भक्तों ने पवित्र गंगा स्नान कर बाबा के दर्शन के लिए कतार पकड़ी। दशाश्वमेध, गोदौलिया और मैदागिन क्षेत्रों में

भक्तों ने पवित्र गंगा स्नान कर बाबा के दर्शन के लिए कतार पकड़ी

श्रद्धालुओं का जमावड़ा लगा रहा। मंदिर के ढुंढिराज गेट, गंगाद्वार और सरस्वती फाटक समेत सभी द्वारों से दर्शन की व्यवस्था की गई। "हर-हर महादेव" के जयघोष से पूरा शहर गूंज उठा। सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। घाटों पर जल पुलिस और एनडीआरएफ की तैनाती की गई है। अधिकारियों ने भीड़ नियंत्रण, पार्किंग और आपात स्थिति से निपटने की तैयारियों का निरीक्षण किया। प्रशासन ने श्रद्धालुओं से शांति बनाए रखने और निर्धारित मार्गों का पालन करने की अपील की है।

दर्दनाक सड़क हादसा, दो युवकों की मौत

यूनिक समय, आजमगढ़। जिले के लौदह इमादपुर गांव के पास देर रात दो बाइकों की टक्कर में दो युवकों की मौत हो गई, जबकि एक गंभीर रूप से घायल है। हादसा उस समय हुआ जब तीन दोस्त बाइक से मेहनगर बाजार की ओर जा रहे थे। पीछे से आ रही तेज रफ्तार और अनियंत्रित बाइक ने उनकी गाड़ी में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि तीनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मेहनगर पहुंचाया गया, जहां 20 वर्षीय आशीष को मृत घोषित कर दिया गया। गंभीर हालत में सुमित और निखिल को पीजीआई मेडिकल कॉलेज चक्रपानपुर रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान 16 वर्षीय सुमित ने भी दम तोड़ दिया। निखिल का उपचार जारी है।

सार संक्षेप

बांग्लादेश में नई सरकार का गठन, 17 फरवरी को शपथ लेंगे तारिक रहमान

यूनिक समय, नई दिल्ली। बांग्लादेश में आम चुनाव के बाद राजनीतिक स्थिरता की दिशा में बड़ा कदम उठने जा रहा है। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के नेता तारिक रहमान 17 फरवरी को प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे। शपथ ग्रहण समारोह के लिए भारत सहित 13 देशों को आमंत्रित किया गया है। अब नजर इस बात पर है कि क्या नरेंद्र मोदी इसमें शामिल होंगे।

नौ मार्च को ओम बिरला के खिलाफ प्रस्ताव पर चर्चा और मतदान

यूनिक समय, नई दिल्ली। किरण रिजिजू ने बताया कि ओम बिरला को पद से हटाने के प्रस्ताव पर नौ मार्च को लोकसभा में चर्चा होगी, जिसके बाद उसी दिन मतदान कराया जाएगा। संसद का बजट सत्र 28 जनवरी से शुरू हुआ था और इसका दूसरा चरण नौ मार्च से दो अप्रैल तक चलेगा। सरकार ने इस चरण को अहम विधेयकों के कारण "दिलचस्प" बताया है।

महाशिवरात्रि पर श्रीलंका के राष्ट्रपति ने दी शुभकामनाएं

यूनिक समय, नई दिल्ली। अनुरा कुमारा दिसानायके ने महाशिवरात्रि पर भारत और विश्वभर के हिंदुओं को बधाई दी। उन्होंने इसे भगवान शिव और देवी पार्वती के दिव्य मिलन का पावन पर्व बताया। राष्ट्रपति ने कहा कि यह उत्सव अज्ञान पर ज्ञान की विजय और समाज में करुणा व सद्भाव को बढ़ावा देता है। श्रीलंका में हिंदू समुदाय आबादी का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

महाराष्ट्र में एटीएस की बड़ी कार्रवाई 21 ठिकानों पर छापेमारी

यूनिक समय, नई दिल्ली। महाराष्ट्र आतंकवाद विरोधी दस्ता (एटीएस) ने संदिग्ध आतंकी गतिविधियों की सूचना पर यवतमाल और अहिल्यानगर जिलों में 21 ठिकानों पर छापेमारी की। तलाशी अभियान के दौरान करीब 12 संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। अधिकारियों के अनुसार यह कार्रवाई खुफिया जानकारी के आधार पर की गई है और मामले की जांच जारी है।

बीएलए का दावा: सात पाकिस्तानी सैनिक बंधक

यूनिक समय, नई दिल्ली। बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने दावा किया है कि उसके लड़ाकों ने हालिया ऑपरेशन में पाकिस्तानी सेना के सात जवानों को बंधक बना लिया है। संगठन का कहना है कि सैनिकों ने सरेंडर किया और उन्हें "युद्धबंदी" माना जा रहा है। बीएलए ने पाकिस्तान सरकार को सात दिन का अल्टीमेटम देते हुए राजनीतिक कैदियों की रिहाई की मांग की है। सेना या सरकार की ओर से आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

कैलिफोर्निया में लापता भारतीय छात्र का शव मिला

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिका के कैलिफोर्निया में लापता 22 वर्षीय भारतीय छात्र साकेत श्रीनिवासैया का शव बरामद हुआ है। कर्नाटक निवासी साकेत बायोमॉलिक्यूलर इंजीनियरिंग में मास्टर्स कर रहे थे। भारतीय वाणिज्य दूतावास, सैन फ्रांसिस्को ने गहरा दुख जताते हुए परिवार को हर संभव सहायता और पार्थिव शरीर को जल्द भारत लाने का आश्वासन दिया है।

'उभरती महाशक्ति' भारत पर यूएन को भरोसा

भारत एआई शिखर सम्मेलन के लिए सबसे उपयुक्त : संयुक्त राष्ट्र प्रमुख

यूनिक समय, नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने भारत को एक "बेहद सफल उभरती अर्थव्यवस्था" बताते हुए एआई शिखर सम्मेलन की मेजबानी के लिए सबसे सही स्थान करार दिया है। उन्होंने कहा कि वैश्विक मामलों में भारत का प्रभाव लगातार बढ़ रहा है और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) जैसे अहम विषय पर नेतृत्व करने की क्षमता देश में मौजूद है। भारत में 16 से 20 फरवरी तक आयोजित होने वाला एआई इम्पैक्ट समिट 2026 वैश्विक दक्षिण में होने वाला पहला बड़ा एआई सम्मेलन होगा। गुटेरेस ने जोर देकर कहा कि एआई का विकास केवल विकसित देशों या दो महाशक्तियों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसका लाभ पूरी मानवता को मिलना चाहिए। उनका इशारा अमेरिका और चीन जैसी बड़ी शक्तियों की ओर था। उन्होंने भारत को इस पहल के लिए बधाई देते हुए कहा कि एआई को "लोग, ग्रह और प्रगति" के सिद्धांतों पर आगे बढ़ाया जाना चाहिए। सम्मेलन में 20 राष्ट्राध्यक्षों और 45 देशों के मंत्री स्तरीय प्रतिनिधिमंडल के शामिल होने की संभावना है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डी सिल्वा सहित कई वैश्विक नेता और टेक उद्योग के दिग्गज इसमें भाग लेंगे। यह सम्मेलन भारत की बढ़ती वैश्विक भूमिका को और मजबूत करेगा।

मास्टरमाइंड गिरफ्तार करोड़ों की बरामदगी

गया में नकली दवा फैक्ट्री का भंडाफोड़

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की एंटी–नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने बिहार के गया में चल रही नकली दवाओं की फैक्ट्री का भंडाफोड़ कर बड़े अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश किया है। कार्रवाई के दौरान गिरोह के मास्टरमाइंड अरुण (59) को गिरफ्तार किया गया। अब तक इस मामले में कुल 9 आरोपियों को पकड़ा जा चुका है। मामला एनडीपीएस एक्ट की धारा 22 के तहत दर्ज किया गया है। डीसीपी संजीव कुमार यादव के नेतृत्व में गठित टीम ने खुफिया सूचना के आधार पर गया में छापेमारी की। जांच में सामने आया कि आरोपी बिना वैध लाइसेंस के दवाइयों और इंजेक्शन वायल बनाने की अवैध यूनिट चला रहा था। मौके पर स्थानीय ड्रग विभाग की टीम को भी बुलाया गया। फैक्ट्री से भारी मात्रा में नकली दवाएं, केमिकल्स और मशीनरी बरामद की गई। बरामद सामग्री में 1,19,800 जिंक टैबलेट, 42,480 एजिथ्रोमाइसिन टैबलेट, 27 किलोग्राम पैरासिटामोल, 5 किलो से अधिक ट्रामाडोल पाउडर और 444 एंप्यूल शामिल हैं। पुलिस के अनुसार जब्त ट्रामाडोल की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 5 करोड़ रुपये से अधिक आंकी गई है। जांच में खुलासा हुआ कि गिरोह अवैध रूप से ओपिओइड्स और साइकोट्रोपिक पदार्थ तैयार कर फर्जी मेडिकल स्टोर्स के माध्यम से बाजार में सप्लाई करता था। ट्रामाडोल पाउडर से तैयार टैबलेट्स को नशे के विकल्प के रूप में ऊंची कीमत पर बेचा जाता था। पुलिस ने बताया कि तकनीकी निगरानी और विभिन्न राज्यों में छापेमारी के बाद इस नेटवर्क को ध्वस्त किया गया। अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

बांग्लादेश में वोट को लेकर महिला से सामूहिक दुष्कर्म का आरोप, राजनीतिक हलकों में आक्रोश

यूनिक समय, नई दिल्ली। बांग्लादेश के नोआखाली जिले के हातिया क्षेत्र में 32 वर्षीय महिला के साथ कथित सामूहिक दुष्कर्म की घटना सामने आई है। आरोप है कि महिला ने विपक्षी दल को वोट दिया था, जिसके बाद कुछ लोगों ने रात करीब 11 बजे उसके घर में घुसकर वारदात को अंजाम दिया। पीड़िता तीन बच्चों की मां है। शिकायत के मुताबिक हमलावरों ने पहले उसके पति को रस्सी से बांध दिया और फिर उसके सामने ही महिला के साथ दुष्कर्म किया। घटना के बाद पीड़िता को नोआखाली जनरल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों ने हमले की पुष्टि की। पुलिस में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। स्थानीय प्रशासन आरोपियों की तलाश में जुटा है। इस घटना पर जमात–ए–इस्लामी के चेयरमैन शफीकुर रहमान ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बयान जारी कर कहा कि वोट के आधार पर किसी महिला के साथ ऐसी बर्बरता कानूनहीनता का उदाहरण है और इसे तुरंत रोका जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हर नागरिक को बिना डर और हिंसा के अपनी पसंद का मतदान करने का अधिकार है। रहमान ने पीड़िता और उसके परिवार से बात करने की भी जानकारी दी और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि बदले की राजनीति स्वीकार्य नहीं है और कानून का शासन सर्वोपरि होना चाहिए। घटना के बाद राजनीतिक माहौल गरमा गया है। विभिन्न दलों ने निष्पक्ष जांच और आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है। फिलहाल पुलिस मामले की सभी पहलुओं से जांच कर रही है और सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

सड़क हादसा: बस से टकराई कार, पांच युवकों की मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु के बाहरी इलाके नेलमंगला के पास शनिवार आधी रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकराकर दूसरी लेन में पहुंच गई और सामने से आ रही कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी) की बस से भिड़ गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार में सवार पांच युवकों की मौत हो गई, जबकि बस में सवार सभी 43 यात्री सुरक्षित बच गए। पुलिस के अनुसार, चार युवकों की मौके पर ही मौत हो गई थी। एक अन्य गंभीर रूप से घायल युवक को अस्पताल ले जाया गया, जहां उसने दम तोड़ दिया। मृतकों की उम्र 17 से 22 वर्ष के बीच बताई जा रही है और सभी डोड्डाबल्लापुर के रहने वाले थे। हादसे में कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। प्राथमिक जांच में तेज रफ्तार और ड्राइवर द्वारा वाहन पर नियंत्रण खोने की आशंका जताई गई है। मदनायकनहल्ली पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है। अधिकारियों ने ब्लड सैंपल लेकर फॉरेंसिक जांच के लिए भेजे हैं, ताकि यह पता लगाया जा सके कि हादसे के समय चालक ने शराब तो नहीं पी रखी थी। हादसे में जान गंवाने वाले एक युवक की मां ने बताया कि उसका बेटा मंदिर जाने की बात कहकर निकला था। इस घटना से पूरे इलाके में शोक की लहर है।

'जन गण मन' के साथ 'वंदे मातरम' भी याद रखें: रवि किशन की युवाओं से अपील

यूनिक समय, नई दिल्ली। रवि किशन ने युवाओं से अपील की है कि वे राष्ट्रगान 'जन गण मन' के साथ-साथ राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' को भी याद रखें। गोरखपुर से सांसद रवि किशन ने कहा कि आजादी के समय जो दोहे गाए जाते थे, उन्हें हर युवा को कंठस्थ करना चाहिए। उनके मुताबिक देश के युवाओं ने राष्ट्रीय गीत से जुड़े हालिया बदलावों का स्वागत किया है। दरअसल, गृह मंत्रालय ने 'वंदे मातरम' के संबंध में नई गाइडलाइन जारी की है। निर्देशों के अनुसार राष्ट्रीय गीत के सभी छह श्लोक गाए या बजाए जाएंगे, जिसकी कुल अवधि लगभग 3 मिनट 10 सेकंड होगी। यदि किसी कार्यक्रम में राष्ट्रगान और राष्ट्रीय गीत दोनों प्रस्तुत किए जाएं, तो पहले राष्ट्रीय गीत गाया जाएगा। नई व्यवस्था के तहत स्कूलों में दिन की शुरुआत राष्ट्रीय गीत से होगी और इसके दौरान सभी को सावधान मुद्रा में खड़ा रहना अनिवार्य होगा। राष्ट्रपति की उपस्थिति वाले कार्यक्रमों तथा तिरंगा ध्वजारोहण के अवसर पर भी 'वंदे मातरम' गाया या बजाया जाएगा।

दिल्ली में मुठभेड़ के बाद लॉरेंस बिश्नोई गैंग के तीन शूटर गिरफ्तार

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने लॉरेंस बिश्नोई गैंग के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन वांटेड शूटरों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। आउटर नॉर्थ दिल्ली के बवाना थाना क्षेत्र में मुल्क नहर के पास पुलिस और बदमाशों के बीच गोलीबारी हुई, जिसमें दोनों ओर से चार राउंड फायरिंग हुई। इस दौरान एक शूटर के पैर में गोली लगी। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने तीन दिन पहले बवाना में एक कारोबारी की दौड़ाकर गोली मारकर हत्या की थी। वारदात की जिम्मेदारी सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए गैंग से जुड़े बदमाशों ने ली थी।

17–18 फरवरी को बदलेगा मौसम बारिश और बर्फबारी का अलर्ट जारी

यूनिक समय, नई दिल्ली। उत्तर भारत में ठंड अब कमजोर पड़ती दिख रही है। मैदानी इलाकों में सुबह-शाम हल्की सर्दी रह गई है, जबकि दिन में तेज धूप के कारण तापमान बढ़ रहा है। हालांकि मौसम एक बार फिर करवट लेने वाला है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार नए पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से 17 और 18 फरवरी को मौसम में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। मौसम विभाग ने बताया है कि पश्चिमी हिमालयी क्षेत्रों में कई स्थानों पर बारिश और बर्फबारी की संभावना है। इसके साथ ही उत्तर-पश्चिमी भारत के मैदानी इलाकों में भी गरज-चमक और तेज हवाओं के साथ बारिश हो सकती है। इस दौरान दिन के तापमान में गिरावट दर्ज की जाएगी। विभाग के मुताबिक पश्चिमी विक्षोभ का असर 16 फरवरी से ही शुरू हो जाएगा, जो अगले दो दिनों तक प्रभावी रहेगा। पश्चिमी विक्षोभ एक कम दबाव का तंत्र होता है, जो भूमध्यसागर क्षेत्र से उठकर हिमालय की ओर बढ़ता है और सर्दियों में उत्तर भारत, पाकिस्तान व नेपाल के मौसम को प्रभावित करता है। इसके कारण तेज हवाएं, बादल और वर्षा होती है। इधर देश के कई हिस्सों में सुबह के समय घना कोहरा भी छाया हुआ है। तिरुवल्लूर में आज सुबह कोहरे की मोटी परत देखने को मिली, जिससे वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। मौसम विभाग ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है।

गोकुल बैराज पर यमुना में जहरीले झाग

आस्था के साथ हो रहा खिलवाड़!

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। गोकुल बैराज के पास यमुना में सफेद झाग देखकर हर कोई हैरान है। यमुना भक्त चिंतित भी हैं। कहते हैं कि झागों को देखकर प्रतीत होता है कि वृंदावन और मथुरा में पीछे से फैक्टरियों की ओर से कितना जहरीला पानी यमुना में प्रवाहित हो रहा है। यमुना में पानी की कमी के कारण प्रदूषित पानी के जहरीले झाग गोकुल बैराज के निकट अपनी हकीकत बयां करते नजर आ रहे हैं। गोकुल बैराज के पास नाविकों का कहना है कि यह हालत एक दिन की नहीं है। पिछले कई दिनों से झाग दिखाई दे रहे हैं। यमुना की पूजा करने के लिए आने वाले भक्तों को ऐसी हालात देखकर काफी वेदना होती है। आखिर कौन यमुना की बिगड़ती हालत की जिम्मेदारी लेगा। या फिर ऐसे ही चलता रहेगा। सरकार आएंगी और जाएंगी, लेकिन सभी जनप्रतिनिधि हर चुनाव में सिर्फ कोरी बयानबाजी करते वोट पाते रहेंगे।

गोकुल बैराज के पास यमुना में दिखाई दे रहे प्रदूषण के सफेद झागों का नजारा।

चंद्रेश्वर महादेव मंदिर पर महामंत्र का जाप कर मनाया उत्सव

कलेक्ट्रेट परिसर स्थित चंद्रेश्वर महादेव मंदिर में जाप करते भक्त।

यूनिक समय, मथुरा। कलेक्ट्रेट परिसर स्थित श्री चंद्रेश्वर महादेव मंदिर पर महाशिवरात्रि को महामंत्र का जाप किया गया। भक्तों ने जल एवं पंचामृत से अभिषेक किया। चंद्रेश्वर महादेव मंदिर में हरे राम, हरे राम राम राम हरे हरे, हरे कृष्ण, हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे.. महा मंत्र के जाप का पाठ सुबह दस बजे शुरू किया। संगीतमय धुन पर श्रद्धालु भक्त मंत्र मुग्ध होकर नृत्य करते रहे। महामंत्र पाठ का समापन शाम छह बजे हुआ। भक्तों ने शाम को बाबा भोलेनाथ और माता पार्वती की महा आरती की। मंदिर को सजाया गया। इस मौके पर वरिष्ठ अधिवक्ता ओ पी उपाध्याय, ओमवीर सारस्वत एडवोकेट ब्रजेश सारस्वत एडवोकेट, देवेन्द्र कुमार वर्मा, सुशील कुमार शर्मा, यमुना प्रसाद यादव, अशोक पांचाल एडवोकेट, बनवारी लाल रावत भूपेंद्र कुमार धनगर, नरेश सारस्वत राजेश तरकार, एडवोकेट, नरेंद्र शर्मा, राजेश चतुर्वेदी तथा प्रणत शर्मा आदि उपस्थित थे।

रोटरी क्लब की पहल वात्सल्य ग्राम में लगा नेत्र शिविर

प्रेमवती गुप्ता नेत्र चिकित्सालय में रोटरी क्लब ऑफ मुम्बई, होराईजन के सौजन्य से आयोजित निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर में ऑपरेशन के बाद रोगियों के साथ पदाधिकारी।

यूनिक समय, वृंदावन। वात्सल्य ग्राम स्थित प्रेमवती गुप्ता नेत्र चिकित्सालय में रोटरी क्लब ऑफ मुम्बई, होराइजन के सौजन्य से दो दिवसीय निःशुल्क मोतियाबिंद शल्य चिकित्सा शिविर लगाया। इसमें विभिन्न जिलों से आए 291 मोतियाबिंद रोगियों का ऑपरेशन मुंबई के नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. श्याम अग्रवाल के नेतृत्व में डॉक्टरों की टीम ने किए। मुख्य अतिथि सीएमओ डॉ. राधावल्लभ ने कहा कि मरीज की सतर्कता से आंख की रोशनी को बचाया जा सकता है। रोटरी आई.पी.डी. जी. नीरव अग्रवाल ने रोटरी क्लब के सेवा कार्यों पर प्रकाश डाला। प्रेसिडेंट मुंबई सुनील भंडारी ने डॉक्टरों का आभार जताया। प्रेसिडेंट मथुरा नरेश बर्मन ने कहा कि वात्सल्य ग्राम के सेवा प्रकल्पों के साथ रोटरी क्लब सदैव खड़ा है। मुंबई की दीपा केसवानी ने 34 लाख की फेको मशीन वात्सल्य ग्राम को दान की। वात्सल्य निर्झर के सम्पादक देवेन्द्र शुक्ल ने डॉ. श्याम अग्रवाल के जीवन पर प्रकाश डाला। अन्त में औषधि एवं चश्मा वितरण के साथ शिविर सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर महेश खंडेलवाल, राजेश पांडेय, मीनाक्षी अग्रवाल, बाल चतुर्वेदी आदि उपस्थित थे। संचालन डॉ. उमाशंकर राही ने किया।

साहसी दारोगा की पत्नी को एसबीआई ने सौंपा चेक

साहसी पुलिस अधिकारी जगदीश प्रसाद की पत्नी सुधारानी को 40लाख रुपये का चेक देते भारतीय स्टेट बैंक के उपमहाप्रबन्धक संजय कुमार सिंह एवं क्षेत्रीय प्रबन्धक उत्तम कुमार आदि।

यूनिक समय, मथुरा। भारतीय स्टेट बैंक के उपमहाप्रबन्धक संजय कुमार सिंह एवं क्षेत्रीय प्रबन्धक उत्तम कुमार ने हरियाणा के साहसी पुलिस अधिकारी जगदीश प्रसाद के अचानक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। एसबीआई पुलिस वेतन खाते के इंश्योरेंस की धनराशि 40 लाख रुपये का चैक मृतक की पत्नी सुधा रानी को सौंपा। भारतीय स्टेट बैंक के मानव संसाधन प्रबन्धक सविता दहिया ने बताया कि मृतक जगदीश प्रसाद मथुरा के लक्ष्मी नगर गांव डेंगरा के निवासी थे उनके पैतृक निवास गांव डेंगरा लक्ष्मी नगर में पहुंचे। आगरा से उपमहाप्रबन्धक संजय कुमार सिंह एवं क्षेत्रीय प्रबन्धक उत्तम कुमार ने एसबीआई पुलिस वेतन खाते के इंश्योरेंस की धनराशि 40 लाख रुपये का चैक मृतक की पत्नी सुधा रानी को सौंपा है। जगदीश प्रसाद हरियाणा पुलिस सोनीपत में तैनात थे। उनकी ड्यूटी सूरज कुण्ड मेले में लगाई गई थी। यहां पर एक दुखद मनोरंजन झूला दुर्घटना के दौरान नागरिकों को बचाते हुए कर्त्तव्य पालन में अपने प्राणों की आहुति दे दी। असाधारण साहस और निस्वार्थता का परिचय देते हुए जगदीश प्रसाद ने खराब हो चुकी संरचना से लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला।

ऐसे वर को क्या वरूँ जो जन्मे और मर जाए...

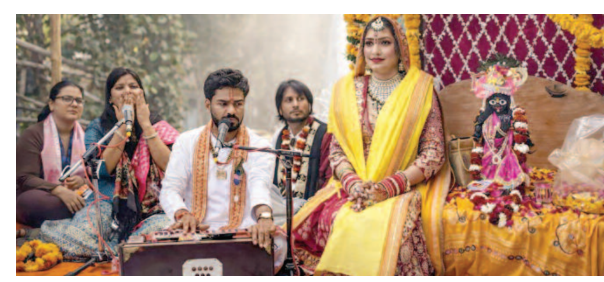

बांके बिहारी संग पहली वर्षगांठ पर भजन गाती इंदुलेखा।

बाँके बिहारी संग पहली वर्षगांठ पर भावुक हुई इंदुलेखा

यूनिक समय, वृन्दावन। मंदिरों की नगरी में आज भावनाओं, भक्ति और विश्वास से भरा एक अनोखा दृश्य देखने को मिला, जब इंदुलेखा ने ठाकुर बाँके बिहारी के साथ अपनी विवाह की पहली वर्षगांठ मनाई। यह कोई सामान्य वर्षगांठ नहीं थी, बल्कि एक ऐसी कथा थी, जिसने सुनने और पढ़ने वालों की आँखें नम कर दीं।

इंदुलेखा ने गत वर्ष 15 फरवरी को संसार की रूढ़ मान्यताओं को तोड़ते हुए ठाकुर बाँके बिहारी को अपने पति रूप में स्वीकार किया था। इससे पहले उनका एक सांसारिक विवाह हुआ था, जिसे वे आज भी जलालत और उपेक्षा से भरा बताती हैं। उनका कहना है कि उस रिश्ते में न उन्हें सम्मान मिला, न अपनापन। इसी पीड़ा से निकलकर उन्होंने उस प्रेम को चुना, जो नश्वर नहीं, बल्कि शाश्वत है। इंदुलेखा ने मीराबाई का उदाहरण देते हुए कहा कि "ऐसे वर को क्या वरूँ, जो जन्मे और मर जाए। मैंने ऐसो वर चुनो, मेरो जन्म अमर कहाये।" उनका मानना है कि बाँके बिहारी केवल उनके पति नहीं, बल्कि पूरे संसार के पति हैं। सबके प्राणों के स्वामी, एक अगोचर शक्ति। इंदुलेखा कहती हैं कि जो लोग इस रिश्ते को नाटक या ढोंग समझते हैं, वे प्रेम की गहराई नहीं समझ सकते। वे भावुक स्वर में कहती हैं कि "जा तन लागी, वही जाने।" प्रभु से प्रेम वही समझ सकता है, जिसके भीतर भक्ति जाग चुकी हो।" इंदुलेखा का यह भी कहना है कि जब से उन्हें संसार पति मिले हैं, उन्हें जीवन में किसी अभाव का अनुभव नहीं हुआ। घर का किराया हो या दैनिक आवश्यकताएँ। उनका विश्वास है कि सब कुछ बिहारी जी स्वयं सँभालते हैं। वे कहती हैं कि जहाँ पहले कोई कद्र नहीं थी, वहाँ अब सब कुछ मिल गया। इस वर्षगांठ को और भी विशेष बनाता है आज का दिन महाशिवरात्रि। इंदुलेखा पहले भगवान शिव की भक्त थीं और उन्हें पिता के रूप में मानती हैं। उनका विश्वास है कि शिव ने ही उनकी भक्ति से प्रसन्न होकर उन्हें बाँके बिहारी को पति रूप में प्रदान किया है।

जिस प्रकार शिव और माता पार्वती का मिलन महाशिवरात्रि को हुआ था, उसी पावन तिथि पर उनकी यह पहली विवाह गांठ मनाई जा रही है। इस भावुक अवसर पर इंदुलेखा ने अपना एक भजन भी लॉन्च किया, जिसमें उनका प्रेम शब्दों और स्वर के माध्यम से बह निकला।

"ओ मुझे हो गया कन्हैया से प्यार, मैं तो वृन्दावन जाऊँगी। वृन्दावन में हैं बाँके बिहारी, लागे उनकी सूरत प्यारी, मैं तो देख–देख करूँ प्यार"

यह भजन केवल संगीत नहीं, बल्कि इंदुलेखा की आत्मा की पुकार है। एक ऐसी स्त्री की कथा, जिसने संसार की ठोकरों से सीखकर ईश्वर को अपना सर्वस्व मान लिया। वृन्दावन की गलियों में आज यह कहानी चर्चा का विषय है। कोई इसे आस्था कह रहा है, कोई अंधविश्वास। लेकिन इंदुलेखा के चेहरे पर संतोष और आँखों में प्रेम साफ़ कहता है कि उनके लिए यह कोई समाचार नहीं, बल्कि उनका सच है।

यूट्यूबर रुचि तिवारी से मिलने जाएगा प्रतिनिधिमंडल

यूनिक समय, वृंदावन। मारुति नगर स्थित एक स्कूल में हुई बैठक में राष्ट्रीय ब्राह्मण सेवा संघ के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष आचार्य आनंद बल्लभ गोस्वामी ने कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय में एक यूट्यूबर रुचि तिवारी द्वारा जातिगत हिंसा की शिकार हो गई। यही नहीं धमकी एवं अपमानित किया गया। आतंकवादी पहले धर्म पूछ कर गोली मारते थे लेकिन अब जाती पूछ कर ब्राह्मणों को निशाना बना रहे हैं। राष्ट्रीय ब्राह्मण सेवा संघ इस घटना की निंदा करता है। राष्ट्रीय ब्राह्मण सेवा संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष आर एन द्विवेदी राजू भैया एवं प्रदेश संरक्षक आचार्य ब्रह्मदेव द्विवेदी ने कहा कि जब से सुप्रीम कोर्ट ने यूजीसी के लिए स्टे दिया है तभी से ब्राह्मण निशाने पर आ रहे हैं। महानगर अध्यक्ष गोविंद नारायण एवं महंत प्रिया शरण ने कहा दिल्ली विश्वविद्यालय में जो हुआ है लग रहा है प्रशासन की निश्चित रूप से लापरवाही हुई है। प्रशासन से मिलकर निष्पक्ष जांच करने की मांग की है। राष्ट्रीय ब्राह्मण सेवा संघ का एक प्रतिनिधिमंडल रुचि तिवारी से मिलकर इन्हें आश्वासन देगा कि हम आपके साथ हैं। आवश्यकता पड़ने पर सरकार से भी मिला जाएगा। बैठक में डॉ. आर सी द्विवेदी, नीरज गौड़, बृजेश शर्मा, नरेंद्र शर्मा अविनाश शर्मा आदि ने भी विचार व्यक्त किए।

राष्ट्रीय ब्राह्मण सेवा संघ की बैठक में पदाधिकारी।

हिंदूवादी नेता को पुलिस ने रोका

महाशिवरात्रि पर ताजमहल में गोमूत्र चढ़ाने की कोशिश

संवाददाता

यूनिक समय, आगरा। महाशिवरात्रि पर ताजमहल परिसर में गोमूत्र चढ़ाने की कोशिश को लेकर हंगामा हो गया। पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत अखिल भारतीय हिंदू महासभा के मंडल महामंत्री नीतेश भारद्वाज कलश में गोमूत्र भरकर ताजमहल के पश्चिमी गेट बैरियर तक पहुंचे, जहां पहले से तैनात पुलिस ने उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया। इस दौरान पुलिस और उनके बीच तीखी नोकझोंक हुई। नीतेश भारद्वाज पीले वस्त्र और केसरिया साफा पहने हुए थे। उनके साथ दो–तीन कार्यकर्ता भी मौजूद थे, लेकिन पुलिस बल को देखकर वे पीछे हट गए। भारद्वाज बैरियर पार कर ताजमहल की ओर बढ़ने लगे तो पुलिसकर्मियों ने उन्हें रोक लिया। करीब 15 मिनट तक बहस चलती रही, जिससे वहां मौजूद पर्यटक भी रुककर घटना देखने लगे। जब उन्होंने आगे जाने की जिद की तो पुलिस ने सख्ती दिखाई और उन्हें बैरियर से बाहर कर दिया। इसके बाद पुलिसकर्मी उन्हें खींचते हुए करीब 150 मीटर दूर ताजगंज थाने ले गए। मौके पर सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई। नीतेश भारद्वाज का कहना था कि वे ताजमहल को "शुद्ध" करने के उद्देश्य से गोमूत्र चढ़ाने आए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि उर्स के दौरान कार्यक्रमों की अनुमति दी जाती है, लेकिन उन्हें धार्मिक कार्य करने से रोका जा रहा है। पुलिस अधिकारियों ने शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए कार्रवाई को जरूरी बताया है। मामले को लेकर शहर में चर्चा का माहौल बना हुआ है।

ताजमहल पर गोमूत्र लेकर पहुंचे अखिल भारतीय हिंदू महासभा के मंडल महामंत्री नीतेश भारद्वाज को हिरासत ले जाती पुलिस।

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित। कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा। संपादक-पवन गौतम। मो. 9837155888 E-mail : newsuniquesamay@gmail.com website : uniquesamay.com सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा। RNI-UPHIN/2023/85053